डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 38 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 20 नवम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

सर्द हवाओं से बढ़ी ठिठुरन

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जम्मू-काश्मीर में बर्फबारी और पहाड़ी क्षेत्रों में चल रही जेट स्ट्रीम हवाओं के असर से अंचल में भी ठंड का असर बढ गया है। पिछले दो दिनों में तापमान में गिरावट देखने को मिली है। सर्द हवाओ के कारण दिन में भी ठिठुरन महसूस की जाने लगी थी।

जिले में अधिकतम तापमान 30 डिग्री व न्यूनतम तापमान 15 डिग्री तक पहुंच गया है। सुबह हल्की धुंध का भी असर है। मौसम जानकारों के अनुसार जम्मू-कश्मीर, लद्दाख में बर्फबारी शुरू हो गई है। जेट स्ट्रीम हवाएं भी चल रही हैं। ऐसे में उत्तरी हवाएं मध्यप्रदेश में भी आएगी, जिससे ठिठुरन लगातार बढ़ेगी। आने वाले दिनों में पारे में और भी गिरावट हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिम-उत्तर भारत के ऊपर जेट स्ट्रीम हवाएं चल रही हैं। वहीं, दक्षिणी हिस्से में एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव है। जेट स्ट्रीम हवाओं की रफ्तार तेज होने से प्रदेश में इसका असर दिखेगा। अभी हवाएं तो आ रही हैं, लेकिन उनकी रफ्तार कम है।

देव जागे, ब्रिज का मुहूर्त नहीं आया..!

टेंडर प्रक्रिया के बाद भी शुरुआत का इंतजार, रिस्क लेकर चंबल पार करना मजबूरी

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। देव जागने के साथ ही शादियों की धूम शुरु हो गई। लेकिन, टेंडर प्रक्रिया को अच्छा खासा समय बितने के बाद भी जिले को राजस्थान से जोड़ने वाले चंबल नदी पर बने पुल का काम शुरु नहीं हो पाया। अधिकारी अब जल्द ही काम शुरु करने का दावा जरुर कर रहे हैं। इधर चंबल पर पुल के अभाव में आसपास क्षेत्र के ग्रामीण जानजोखिम में डालकर चंबल पार कर रहे हैं। इसमें स्टीमर सहित अन्य वाहन चंबल पर चल रहे है। इनकी जांच तक करनेवाला कोई नहीं है और क्षमता से अधिक लोगों का चंबल पर परिवहन किया जा रहा है। बच्चों से लेकर महिलाएं भी इसमें हर दिन सवार हो रही है। वैकल्पिक मार्ग लंबा होने के कारण शार्टकट के चक्कर में ग्रामीणजन चंबल को इस तरह पार कर रहे है। करीब पांच साल से यह दौर चला आ रहा है। हर दिन एक हजार से अधिक ग्रामीणजन चंबल नदी को इसी तरह पार कर रहे है।

सुवासरा विस के कई गांवो को राजस्थान से जोड़ने वाला चंबल नदी पर बना पुल वर्ष 2019 की बाढ़ में बह गया था। इसके बाद से पांच साल का लंबा समय बीत जाने के बाद इस पर राजनीति तो खूब हुई, लेकिन निर्माण शुरू नहीं हो पाया। इसके कारण राजस्थान व प्रदेश के लोगों को चंबल पार करना बड़ी चुनौती बन गया है। हर दिन चंबल की लहरों पर जानजोखिम में डालकर ग्रामीणजन नदी पार कर रहे है। दो राज्यों के साथ जिले की तीन विधानसभा मंदसौर, मल्हारगढ़ व सुवासरा के लोगों को इससे अधिक परेशान होना पड़ रहा है। चुनावी राजनीति का अहम मुद्दा चंबल का यह ब्रिज अब तक प्रक्रियाओं में ही उलझा है। अब ब्रिज का काम शुरू होने का दावा किया जा रहा है। 20 करोड़ रूपए की राशि इस पुल के लिए मंजूर भी हुई है। लेकिन, तीन बार टेंडर लगाने के बाद भी इसे बनाने के लिए कोई नहीं आया। अब चौथी बार में इसकी प्रक्रिया पूरी हुई। लेटलतीफी के कारण हर दिन लोगों को परेशान होना पड रहा है और दो राज्यों को जोड़ने वाले इस पुल का निर्माण अधर में ही लटका हुआ है।

पानी कम होने का किया जा रहा इंतजार...

बाढ़ के समय जब चंबल का पुल बहा तो प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी। तब सुवासरा विधायक हरदीपसिंह डंग कांग्रेस में थे और इसके बाद पार्टी बदलकर वह भाजपा में आए और 2020 का उपचुनाव लड़ा और मंत्री भी बने। अभी भी विधायक वही है। लेकिन, इस ब्रिज का निर्माण अब तक शुरू नहीं हो पाया है। ऐसे में चंबल पर पुलिया का यह मुद्दा राजनीतिक रूप से अहम रहा और सुर्खियों में रहने के साथ इसकी मंजूरी भी हुई। लेकिन, प्रक्रियाओं में उलझकर ब्रिज का निर्माण अब तक शुरू नहीं हो पाया। चंबल में पानी गहरा होने के कारण टेंडर लेने कोई नहीं आया। चौथी बार टेंडर लगाने के बाद वर्कऑर्डर तक की प्रक्रिया हुई तो अब पानी कम होने का इंतजार किया जा रहा है। इस पूरे दौर में पांच साल का समय बीत गया।

2020 के उपचुनाव में था अहम मुद्दा...

जिले को राजस्थान से जोड़ने वाला चंबल नदी पर बना ब्रिज वर्ष 2019 की बाढ में बहा था। इसके बाद से इसका निर्माण अहम मुद्दा था। शासन स्तर तक मामला पहुंचा और इसकी मंजूरी हुई। इसे चुनाव में खूब भूनाया भी गया। लेकिन, इसके बाद लंबा समय बीत जाने के बाद काम शुरू नहीं हुआ। चंबल का यह पुल राजनीतिक रूप से भी अहम रहा। अभी भी लोग चंबल में गहरा पानी होने के बाद भी जानजोखिम में डालकर नदी पार कर रहे है।

बीजेपी नेता सहित दो जन एक किलो स्मेक के साथ गिरफ्तार..?

एसपी स्क्वाड ने सोमवार को भाजपा नेता ओमप्रकाश मोकड़ी को घर से उठाया था..? पकड़ी गई कार में महिला भी थी..?

पांच दिन के रिमांड पर आरोपी

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मादक पदार्थ की तस्करी करते हुए सीतामऊपुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पकडे गए आरोपियों से एक किलो 73 ग्राम स्मेक बरामद की गई हैं। पकडे गऐ आरोपी बिना नंबर की लग्जरी विटारा कार में सवार होकर जा रहे थे। यह दावा भी पुलिस ने अपने प्रेस नोट में किया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय ने 05 दिन के लिए पुलिस रिमांड पर सौंपा हैं। पुलिस अब उनसे व्यापक पूछताछ कर रही हैं।

पुलिस प्रेस नोट के मुताबिक मादक पदार्थ की तस्करी के बारे में महत्वपूर्ण सूचना मिली जिसके आधार पर पुलिस ने एक टीम का गठन कर होटल विजय पैलेस के पास योजनाबद्ध तरीके से नाकाबंदी की, इस दौरान मन्दसौर तरफ से तेज गति से मुखबीर द्वारा बताये अनुरूप एक चार पहिया वाहन आता दिखाई दिये जाने पर उक्त वाहन को पुलिस टीम द्वारा रोक कर वाहन में सवार आरोपी राजकुमार पिता हिरालाल पाटीदार उम्र 35 वर्ष निवासी अभिनन्दन कालोनी मन्दसौर एवं ओमप्रकाश पिता रामलाल पाटीदार उम्र 52 वर्ष निवासी गुराड़िया लाल मुहा थाना भावगढ को हिरासत में लिया और वाहन की सूक्ष्मता से चौकिंग की गयी। तलाशी के दौरान उक्त वाहन विटारा कार में से 1 किलो 73 ग्राम स्मेक मिली। जिसे पुलिस ने जप्ती में लेकर आरोपियों के विरूद्ध अपराध धारा 8/21, 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत् पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पकडे गऐ आरोपियों से पुलिस स्मेक के स्त्रोत के बारे में पूछताछ कर रहीं है।

महिला भी थी कार में...

सूत्रों की बात पर भरोसा करें तो पुलिस द्वारा पकडी गई कार में एक महिला भी थी। कार गुराड़िया लालमुँहा के ओमप्रकाश पाटीदार के नाम दर्ज बताई गई हैं। राजकुमार ही इस कार को चलाता था। लेकिन, कभी कभी ओमप्रकाश भी इसका इस्तेमाल करता था। राजकुमार की माता जी और ओमप्रकाश के बीच अच्छे संबंध बताये जा रहे हैं। घटना के समय भी कार में महिला बैठी थी। ऐसा बताया जा रहा हैं।

घर से चड्डी- बनियान में उठाया था ओमप्रकाश को..?

सोमवार सुबह करीब 11 बजे गांव गुराड़िया लालमुँहा में एसपी स्क्वाड की टीम को देखकर ग्रामीण भौचक थे। सभी इस टीम को बाहर की समझ रहे थे। तभी टीम ने पुराने तस्करी के आरोपी ओमप्रकाश के घर में दबिश दी। ग्रामीणों के अनुसार ओमप्रकाश चड्डी बनियान में था। उसे एसपी स्क्वाड की टीम गाडी में डालकर ले गई। बाद में भावगढ और दलौदा की पुलिस ने एक बार फिर ओमप्रकाश के घर पर दबिश दी। उसके घर की तलाशी में कुछ कैमिकल मिला था। वह कृषि दवाई थी या एसीटिक एसिड था। यह ग्रामीणों को पता नहीं था। मंगलवार शाम ग्रामीणों को पता चला की सीतामऊपुलिस ने स्मैक बरामद की हैं।

तहसीलदार के नाम से पटवारी मांग रहा था 25 हजार रुपए रिश्वत, लोकायुक्त ने दबोचा

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। तहसीलदार के नाम से 25 हजार रुपए रिश्वत मांगने वाले पटवारी को लोकायुक्त पुलिस ने पहली किश्त के 10 हजार रुपए लेते दबोच डाला। यह रिश्वत जमीन बंटवारे के लिए मांगी गई थी। पीड़ित से 25 हजार रुपए की डिमांड तहसीलदार के नाम से की गई थी। इसके बाद लोकायुक्त पुलिस को शिकायत की गई। लोकायुक्त पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से पटवारी को पहली किश्त के रूप में 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है।

आवेदक धर्मेंद्र मालवीय पिता बाबूलाल निवासी ईशाकपुर ने लोकायुक्त पुलिस को शिकायत की। जिसमें उसने बताया कि पटवारी हल्का नंबर 42 ईशाकपुर द्वारा पारिवारिक बटवारा करने के नाम पर रिश्वत मांगी जा रही है। जगदीश पाटीदार द्वारा तहसीलदार के नाम से 25 हजार रुपए की मांग करने की शिकायत की गई। इस मामले में लोकायुक्त पुलिस ने जांच की। जिसमें रिश्वत मांगने की शिकायत सही साबित हुई। इसके बाद मंगलवार को योजनाबद्ध तरीके से लोकायुक्त की टीम ने मंदसौर में आमद दी। जिला न्यायालय परिसर में लोकायुक्त पुलिस ने रिश्वत की पहली किश्त के 10 हजार रुपए देकर आवेदक धर्मेंद्र मालवीय को भेजा। यहां मौजूद पटवारी को रुपए दिए गए। इसके बाद लोकायुक्त के अधिकारी वहां पहुंचे। नोटों की जांच की गई।

लोकायुक्त पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि जगदीश पाटीदार पटवारी को पहली किश्त के 10 हजार रूपए की रिश्वत लेते हुए ट्रैप किया गया है। जगदीश पाटीदार पटवारी ... शेष पेज 4 पर

जीण की जमीन पर फिर विवाद

एक और पक्ष सामने आया, जनसुनवाई में दिया आवेदन

सुवासरा, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सुवासरा तहसील मुख्यालय पर स्थित बहुचर्चित जीण की जमीन का विवाद एक बार फिर सामने आया है। इस जमीन का तत्कालीन तहसीलदार द्वारा कथित रूप से राजनीतिक एवं प्रशासनिक दबाव में कुछ लोगो के नाम पर नामांतरण कर दिया गया था। अब इस मामले में एक पक्ष और सामने आया है। जिसका नाम इस बहुकीमती जमीन के खाते खसरे में दर्ज नहीं किया गया है।

मंगलवार को सुवासरा जीण भूमि के मामले में अपने नाना से मुख्तयार आम करवाकर मंदसौर पहुंचे नवासे हातिम नियाज पिता नजमुद्धिन नियाज निवासी इंदौर ने जनसुनवाई में पहुंचकर कलेक्टर को आवेदन देकर अपने नाना सादिक अली पिता गुलाम अली का नाम नामांतरण में दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया। जिसमें कहा गया है कि उसके नाना के पिता जी के पिताजी मुल्ला हुसैन के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि जो कि ग्राम सुवासरा मंडी जिला मंदसौर में स्थित है। जिनके सर्वे नंबर 912, 913, 914, 915, 916, 917 एवं 1492/911 कुल रकबा 1.98 हेक्टेयर है। उक्त संपत्ति मेरे नाना सादिक अली की पेतृक संपत्ति है।

बताया गया है कि उक्त जमीनो पर वर्तमान में तहसीलदार द्वारा हुसैनी पिता आबिद हुसैन, हाजरा पति जैनुद्धिन, शाकेरा पति फिरोज जीन वाला ,जाकिर हुसैन पिता जैनुद्धीन बोहरा, सलीम पिता जैनुद्धीन, मुदर पिता जैनुद्धीन, जरीना पति जैनुद्धीन, शमीमा पति असगर अली,अब्बास अली पिता नजमुद्धीन, मुर्तजा पिता नजमुद्धीन सभी जाति बोहरा निवासी सुवासरा के नाम दर्ज है। यह नामांतरण अवैध तरीके से कराया गया है। उक्त संपत्ति को इन लोगो द्वारा अवैध तरीके से विक्रय करने का प्रयास किया जा रहा है। उक्त व्यक्तियो द्वारा सीमांकन व बटांकन की कार्यवाही भी अवैध तरीके से करवा ली गई है। उक्त जमीनो पर नामांतरण, बटांकन, सीमाकंन की जो भी कार्यवाही उक्त व्यक्तियो द्वारा कराई गई है। ऐसी सभी कार्यवाहियो को तत्काल निरस्त करने के आदेश प्रदान करे।

अब तक हुई कार्यवाही को लेकर सुवासरा के आमजन में यह बात थी कि उक्त जमीन फ्री होकर इसकी खरीद फरोख्त की जा सकती है। लेकिन, मंगलवार को जनसुनवाई में दिए गए आवेदन के बाद स्थिति पुनः पहले जैसी ही हो गई है। देखना यह है कि कलेक्टर अब इस मामले में क्या निर्णय लेती है। यदि जांच होती है तो ऊंट किस करवट बैठेगा? अथवा फरियादी आपसी समझौता कर लेगा। यह सब समय के गर्भ में है।

सीबीएसई : अब अभिभावकों की भी लगेगी क्लास..!

भोपाल, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। स्कूल और अभिभावकों के बीच महंगी फीस, किताबों का बोझ सहित कई गिले-शिकवों को दूर करने के लिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल (सीबीएसई) ने पहल की है। बच्चों की बेहतर पढाई के लिए बीच का रास्ता निकाला जाएगा। इसके लिए बोर्ड स्कूल व अभिभावक दोनों की कक्षा लेगा। अगले माह से इसकी शुरुआत होगी।

सीबीएसई ने स्कूलों के लिए इसका सर्कुलर जारी किया है। इसके जरिए महंगी किताबें व मनमर्जी की फीस जैसी समस्याओं के समाधान की राह निकलेगी और बच्चे तनावमुक्त होकर पढाई करेंगे। पहल का मकसद समग्र विकास के लिए स्कूल व अभिभावकों के बीच संवाद को बेहतर करना है। इसमें अभिभावकों के गिले-शिकवे बातचीत से सुलझाए जाएंगे। अभिभावक और स्कूल एक मंच पर अपनी बात रखेंगे। इसमें सीबीएसई के काउंसलर भी होंगे।

इसलिए की जा रही यह पहल...

- पैरेंटिंग की नई पद्धतियों पर चर्चा और प्रशिक्षण।
- स्कूल और परिवारों के बीच बेहतर संवाद और सहयोग को बढ़ावा।
- बच्चों के शैक्षणिक और भावनात्मक विकास के लिए प्रासंगिक कौशल का विकास।

बस की टक्कर से युवक की मौत

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सुवासरा- रुनीजा रोड पर हुई सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार बाइक सवार नेमसिंह बंजारा कही जा रहा था। इसी दौरान उसकी बाइक को एक निजी यात्री बस ने टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले में पुलिस जांच जारी है।

जमीन विवाद में हत्या व हत्या का प्रयास करने वाली...

दो महिला सहित पांच आरोपियों को आजीवन कारावास

जावद, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। अपर सत्र न्यायाधीश श्री विनोद कुमार पाटीदार जावद द्वारा जमीन (प्लाट) विवाद के कारण एक व्यक्ति की मृत्यु एवं एक महिला की हत्या का प्रयास करने वाले पांच आरोपियो को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपियो में पदमसिंह उर्फ भाईटा पिता बनेसिंह राजपूत उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम मोडी, राघुनाथसिंह पिता बनेसिंह राजपूत उम्र 33 वर्ष, बापूसिंह पिता देवीसिंह उम्र 58 वर्ष, विजेश कुंवर पति बनेसिंह उम्र 55 वर्ष एवं सुगना कुंवर पति राघुनाथ सिंह, उम्र 27 वर्ष, सभी निवासी ग्राम मोडी तहसील जावद के है।

प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाले विशेष लोक अभियोजक श्री योगेश कुमार तिवारी द्वारा यह जानकारी दी गई। उन्होंने घटना के संबंध में बताया कि मृतक पक्ष एवं आरोपियो के मध्य प्लॉट का विवाद चल रहा था। जिसमें आरोपियो द्वारा मृतक पक्ष के प्लॉट पर जेसीबी चलवाने एवं पत्थर डालने की बात को लेकर भी पूर्व में विवाद किया था। दो वर्ष पूर्व 16 अक्टूबर 2022 को सुबह लगभग 8 बजे जगदीश जायसवाल, उसकी पत्नी मुन्नीबाई को ईलाज हेतु मोटर सायकल से अस्पताल ले जा रहा था। उसी समय प्लॉट के विवाद के कारण ग्राम मोडी स्थित फरियादी के घर से कुछ दुर रास्ते पर आरोपी पदमसिंह ने धारिया/फरसा से जगदीश जायसवाल की गर्दन पर वार किया। इस पर उसकी पत्नी मुन्नीबाई द्वारा बचाने का प्रयास करने पर आरोपी सुगनाबाई एव विजेश कुंवर द्वारा मुन्नीबाई को पकड़ लिया गया और आरोपी रघुनाथसिह द्वारा मुन्नीबाई को जान से मारने की नियत से सिर पर सामने की ओर दराते से एंव पदमसिह द्वारा सिर के पीछे व पीठ पर धारिये/फरसा से वार कर चोट पहुंचाई। घटना के दौरान आरोपी बापुसिंह द्वारा घटनास्थल पर उपस्थित रहकर घटना कारित करने के लिये उपरोक्त आरोपियो को उकसाकर घटना कारित कराई। आरोपियो द्वारा जगदीश की गर्दन पर पहुंचाई गंभीर चोट के कारण मृत्यु हो गई एवं मुन्नीबाई गंभीर रुप से घायल हो गई।

उक्त घटना की सूचना फरियादी मुकेश द्वारा लेखबद्ध कराई गई। जिस पर से आरोपियो के विरूद्ध पुलिस थाना जावद में प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध की गई। विवेचना के दौरान पुलिस जावद द्वारा आवश्यक साक्ष्य एकत्रित की गई तथा आरोपीगण को गिरफ्तार कर आवश्यक अनुसंधान उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय, जावद में प्रस्तुत किया गया। अपराध की गंभीरता को देखते हुए शासन द्वारा इस प्रकरण को जघन्य एवं सनसनीखेज प्रकरण के रूप में चिन्हित किया गया।

अभियोजन द्वारा न्यायालय के समक्ष विचारण के दौरान फरियादी व आहत मुन्नीबाई, विवेचक सहित सभी वैज्ञानिक एवं इलैक्ट्रोनिक साक्ष्य प्रस्तुत कर अभियुक्तो के विरूद्ध अपराध को संदेह से परे प्रमाणित कराया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए उनको कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया। जिससे सहमत होकर न्यायालय द्वारा आरोपियो को उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया गया। न्यायालय में शासन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक श्री योगेश कुमार तिवारी द्वारा की गई।

विचार-मंथन

अदालतों के निर्देश भी नहीं सुधार सके नदियों की सेहत

एनजीटी ने पंजाब सरकार पर कई चेतावनियों के बावजूद राज्य में ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन में विफल रहने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। इसी तरह सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा राजस्थान सरकार पर लगाए 3000 करोड़ रुपये के जुर्माने पर रोक लगा दी। एनजीटी ने राजस्थान में गीले और सूखे कचरे के समुचित प्रबंधन में नाकाम रहने से पर्यावरण पर पड़ रहे बुरे असर को लेकर यह जुर्माना लगाया था।

सुप्रीम कोर्ट ने नगर निगम के सारे दावों की पोल खोल कर रख दी और यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण स्तर को लेकर नगर निगम को फटकार लगाई। इस तरह के मामले में इससे राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) ने भी नगर निगम के खिलाफ अप्रैल में आदेश दिया था। हिन्दू शास्त्रों में गंगा और यमुना नदी का धार्मिक महत्व बताया गया है। इन नदियों की उपयोगिता के कारण इन्हें जीवनदायिनी कहा गया है। वर्तमान में हालत यह है कि ये जीवनदायिनी खुद जीवन के लिए तरस रही है। देश में अन्य समस्याओं की तरह इन नदियों के की बर्बादी के लिए भी राजनीति जिम्मेदार है। नदियों का प्रदूषण का मुद्दा राजनीतिक दलों को वोट नहीं दिला सकता, इसलिए इनकी सेहत लगातार बिगड़ती जा रही है। सत्तारूढ़ दलों की प्राथमिकता में नदियों की पवित्रता बरकरार रखना नहीं रह गया है। इन नदियों की हालत नालों जैसी बन चुकी है। भ्रष्टाचार और वोट बैंक की राजनीति के कारण इस हालत से निपटने के लिए सरकारी प्रयास विफल साबित हुए हैं। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के दखल के बावजूद नदियों में अपेक्षित सुधार नहीं हो पा रहा है। अदालतों ने नदियों में प्रदूषण के लिए कई बार भारी जुर्माना लगाया है। चूंकि जुर्माना नेता-अफसरों की जेब से नहीं जाता, इसलिए उसका ऊंट के मुंह में जीरे जितना ही असर हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने यमुना नदी को अनुपचारित अवशिष्ट से प्रदूषित करने के लिए आगरा नगर निगम को 58.39 करोड़ रुपये पर्यावरणीय मुआवजा देने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने नगर निगम के सारे दावों की पोल खोल कर रख दी और यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण स्तर को लेकर नगर निगम को फटकार लगाई। इस तरह के मामले में इससे राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) ने भी नगर निगम के खिलाफ अप्रैल में आदेश दिया था। यह पहला मौका नहीं है कि जब एनजीटी या अदालत ने नदियों के प्रदूषण के लिए सरकारी एजेंसियों पर जुर्माना लगाया हो, इससे पहले भी ऐसे कदम उठाए जा चुके हैं, किन्तु शासन-प्रशासन की मिलीभगत से नदियों में प्रदूषण का स्तर का बढ़ता जा रहा है। हालात यह हो गए हैं कि नदियों का जल पीने लायक तो दूर आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। दिल्ली में बहने वाली यमुना नदी कभी धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण थी। अब प्रदूषण के कहर से जूझ रही है। आंकड़े बताते हैं कि यमुना का प्रदूषण स्तर खतरनाक स्तर तक पहुंच चुका है। छठ जैसे पर्व पर महिलाओं को इस नदी पर स्नान करने से रोक लगाई गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, यमुना में खतरनाक बैक्टीरिया और प्रदूषकों का स्तर मानक सीमा से कई गुना अधिक पाया गया है। दिल्ली में यमुना के प्रमुख हिस्सों में पानी की गुणवत्ता, बीओडी (बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड) और अन्य प्रदूषक तत्वों के कारण न केवल पीने के योग्य नहीं है। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण ने नोएडा विकास प्राधिकरण पर 100 करोड़ यानी एक अरब रुपये और दिल्ली जल बोर्ड पर 50 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। इसी तरह बिहार सरकार में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने सॉलिड और लिक्विड वेस्ट का वैज्ञानिक तरीके से निपटारा नहीं कर पाने को लेकर राज्य सरकार पर चार हजार करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। सर्वोच्च न्यायालय ने 28 नवंबर, 2023 को एनजीटी के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें महाराष्ट्र को अनुचित अपशिष्ट प्रबंधन के लिए पर्यावरण मुआवजे के रूप में 12,000 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। एनजीटी ने पंजाब सरकार पर कई चेतावनियों के बावजूद राज्य में ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन में विफल रहने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। इसी तरह सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा राजस्थान सरकार पर लगाए 3000 करोड़ रुपये के जुर्माने पर रोक लगा दी। एनजीटी ने राजस्थान में गीले और सूखे कचरे के समुचित प्रबंधन में नाकाम रहने से पर्यावरण पर पड़ रहे बुरे असर को लेकर यह जुर्माना लगाया था। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) की ओर से 5 जून को पर्यावरण दिवस के मौके पर जारी स्टेट ऑफ एनवायरमेंट (एसओई) रिपोर्ट 2023 में यह खुलासा किया कि देश के 30 राज्यों में कुल 279 (46 फीसदी) नदियां प्रदूषित है, हालांकि, 2018 के मुकाबले मामूली सुधार 2022 में देखा गया है।

बुलडोजर न्याय पर सुको के श्वेत और स्याह पक्ष...

कमलेश पांडे

सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा है कि कार्यपालिका किसी व्यक्ति को दोषी नहीं ठहरा सकती। अगर केवल आरोप के आधार पर वह उसका घर गिरा देती है, तो यह कानून के शासन के मूल सिद्धांत पर आघात होगा। कार्यपालिका न्यायाधीश बनकर किसी आरोपी की संपत्ति को गिराने का फैसला नहीं कर सकती। कार्यपालिका के हाथों की ज्यादतियों से कानून के सख्त हाथ से निपटना होगा। हमारे संवैधानिक मूल्य सत्ता के ऐसे किसी भी दुरुपयोग की अनुमति नहीं देते। इसे न्यायालय द्वारा बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। ऐसे मामलों में, कार्यपालिका कानून को अपने हाथ में लेने और कानून के शासन के सिद्धांतों को दरकिनार करने की दोषी होगी। अनुच्छेद 19 के अनुसार आश्रय के अधिकार को मौलिक अधिकार माना गया है। इससे स्पष्ट है कि %बुलडोजर जस्टिस% पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में सात बड़ी बातें कही है, जो निम्नलिखित है- पहला, कार्यपालिका, न्यायपालिका नहीं बन सकती। दूसरा, बिना उचित प्रक्रिया के आरोपी के घर को ध्वस्त करना असंवैधानिक है। तीसरा, दोषी ठहराए जाने पर भी उसकी संपत्ति को नष्ट नहीं किया जा सकता। चतुर्थ, मुकदमे से पहले आरोपी को दंडित नहीं किया जा सकता। पंचम, नगरपालिका कानूनों के लिए भी कानून का अनुपालन अनिवार्य है। छठा, लोगों को ध्वस्तीकरण नोटिस का जवाब देने और उसे चुनौती देने के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। सातवां, अगर

अधिकारी कुछ समय पहले उनकी मदद कर दें तो कोई आसमान नहीं टूट पड़ेगा।यहां तक तो ठीक है, पर सीधा सवाल है कि जब किसी भी प्रकार के संगठित अपराध को रोकने के लिए सिविल प्रशासन के समक्ष त्वरित फैसले लेने व सख्त निर्णय करने की जरूरत होती है, तो इस प्रकार उसके हाथ बांधना क्या उचित है। दूसरा सवाल यह है कि पुलिस एनकाउंटर से लेकर बुलडोजर न्याय तक की प्रशासनिक प्रक्रिया पर न्यायपालिका में जैसे-जैसे सवाल उठाए जा रहे हैं और उनके मुताल्लिक जो-जो स्थगनादेश/न्यायदेश आ रहे हैं, क्या यह उचित है? जनता के व्यापक हित में है? शांति-व्यवस्था स्थापित करने में सक्षम है! तो जवाब होगा- बिल्कुल नहीं।भारतीय न्यायपालिका के समक्ष लायी जाने वाली लक्षित जनहित याचिकाओं पर एक के बाद एक आये स्थगनादेश/न्यायादेश समकालीन चिंता ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विमर्श का भी विषय बन चुके हैं। क्योंकि ऐसा करने वालों के विचार और लक्ष्य अलग अलग होते हैं, जिसकी बारीक मीडिया पड़ताल जरूरी है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि बेहतर शासन व्यवस्था बदलते वक्त की अनिवार्य मांग है जिसे कायम रखने में मौजूदा कानून व्यवस्था विफल प्रतीत होती आई है। लिहाजा, बेहतर तो यही होगा कि हरेक समसामयिक मुद्दे पर जनमत सर्वेक्षण करवाकर लोगों की स्पष्ट राय भी जान ली जाए, क्योंकि हरेक अच्छे या बुरे फैसले से सबसे ज्यादा उनकी ही तकदीर और तदबीर प्रभावित होती है। यह कौन नहीं जानता कि एक तरफ कुछ लोग और उनका समूह कतिपय कानून की आड़ लेकर, एनजीओ या जनहित याचिका का सहारा लेकर सिस्टम और उसकी लोकोपकारी व्यवस्था को तबाह किये हुए हैं, क्योंकि उनका लक्ष्य कुछ और होता है और साधन कुछ और। इसलिए इन्हें अंतर्राष्ट्रीय मदद भी आसानी से मिल जाती है और आंतरिक मदद लेने में ये माहिर होते हैं। वहीं दूसरी तरफ जब ऐसे लोगों को सबक सिखाने के लिए प्रशासन अपनी दृढ़इच्छा शक्ति प्रदर्शित करता है तो उसे कभी मानवीयता का पाठ पढ़ाया जाता है तो कभी उच्च न्यायिक आदर्शों व प्रतिमानों का। क्योंकि हरेक मुद्दे को लेकर ये कोर्ट पहुंच जाते हैं। आप गौर करेंगे तो पाएंगे कि समान पृष्ठभूमि वाले मुद्दों/मामलों में इनकी भूमिका और विचार अलग अलग देखे जाते हैं, जिसे न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता है। इसलिए जैसे को तैसा की तर्ज पर यदि प्रशासन सक्रिय नहीं होगा तो सत्ता संरक्षित अपराध करने वालों, नक्सलियों-आतंकियों-अंडरवर्ल्ड के स्लीपर सेल के रूप में काम करने वालों, इसकी आड़ में तस्करी, फिरौती का धंधा करने वालों को नियंत्रित करना मुश्किल होगा।आप मानें या न मानें, लेकिन यूपी की सुधरती कानून व्यवस्था के पीछे पुलिस एनकाउंटर से लेकर बुलडोजर न्याय का बहुत बड़ा हाथ है। अब अपराधियों के मन में दहशत है कि यदि गलत किये तो जान भी जा सकती है और घर भी। चूंकि सबको अपने परिवार से प्रेम रहता है, इसलिए कोई नहीं चाहेगा कि उसकी करतूतों से उसका परिवार सड़क पर आ जाए। लेकिन हत्याओं और दंगों को रोकने और पीड़ितों को त्वरित न्याय देने/दिलवाने में विफल भारतीय न्यायिक व्यवस्था अब जिस तरह से पुलिस एनकाउंटर और बुलडोजर न्याय पर दिशा निर्देश दे रही है, उससे वह कार्यपालिका हतोत्साहित होगी, जिसने बेहतर परिणाम दिए हैं। यह रेयर ऑफ द रेयरेस्ट कार्रवाई हुई है और इसे बंद करने के आपराधिक दुष्परिणाम भी सामने आ सकते हैं। वहीं, इस अहम मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने जो दिशा निर्देश जारी किए हैं, उससे तो यही प्रतीत होता है कि हमारी न्यायपालिका, कार्यपालिका के हाथ सिर्फ इसलिए बांधे रखना चाहती है कि सम्बन्धित विषय उसके समक्ष न्याय के लिए उठाया गया है, लिहाजा वह न्याय देने की प्रक्रिया में सम्बन्धित विषयों/निर्णयों के तमाम व्यवहारिक पहलुओं को नजरअंदाज करते हुए सिर्फ आदर्शवादी फैसले दे देती है। इससे जहां कुटिल सियासतदानों और खल प्रवृत्ति वाले समाजसेवियों के हौसले बढ़ते हैं। सीधा सवाल है कि जब किसी व्यक्ति की हत्या करने के वक्त या सामाजिक दंगा-फसाद करने के वक्त अपराधी कुछ नहीं सोचते और भारी जानमाल की क्षति कर जाते हैं, तो फिर उनपर त्वरित कार्रवाई करने के लिए एक पल का भी इंतजार क्यों? बेहतर तो यह होता कि वहीं पर मोबाइल कोर्ट बैठती और तुरंत आदेश जारी करती कि ऐसे दोषियों को समाज में रहने का अधिकार नहीं है, इन्हें तुरंत शूट आउट किया जाए। इसके संरक्षकों की पहचान की जाए और उसे भी कठोर सजा मिले। भारत में अपराध को रोकने के लिए कुछ सख्त कदम उठाने ही पड़ेंगे, क्योंकि अमन की गंगा-यमुना में बहुत पानी बह चुका है। मेरी स्पष्ट राय है कि सुप्रीम कोर्ट ने देश में बढ़ते %बुलडोजर न्याय% पर जो रोक लगा दी है, उस पर पुनर्विचार करे।

पाकिस्तान के साथ खेलने का मतलब आतंकवाद को कमजोर करना

सुधींद्र कुलकर्णी

1894 में अपनी शुरूआत से ही ओलिम्पिक आंदोलन का आदर्श वाक्य रहा है 'शांति के लिए खेल'। नौवीं शताब्दी ईसा पूर्व में ओलिम्पिक युद्धविराम का इतिहास हमें बताता है कि इसका इस्तेमाल ग्रीस के युद्धरत राजाओं द्वारा वास्तविक संघर्ष के विकल्प के रूप में एथलीटों के बीच शांतिपूर्ण प्रतिस्पर्धा की अनुमति देने के लिए किया गया था। खेल प्रतियोगिताओं में दर्शकों की भागीदारी की अनुमति देकर राजाओं ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया कि लोगों यानी गैर एथलीटों का भी शत्रुता को समाप्त करने, आपसी सद्भाव को बढ़ाने और शांति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान है। दुख की बात है कि जब भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट प्रतियोगिता की बात आती है, तो खेल रूपक रूप से युद्ध का मैदान बन जाता है। भारत सरकार स्पष्ट रूप से मानती है कि न तो एथलीटों और न ही गैर-एथलीटों की भारत-पाक शांति स्थापना में कोई भूमिका है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बी.सी.सी.आई.) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आई.सी.सी.) को दिए गए इस निर्णय से यही अर्थ निकाला जा सकता है कि भारतीय क्रिकेट टीम को अगले साल की शुरूआत में 8 देशों की चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेने के लिए पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि अभी तक आधिकारिक रूप से स्पष्ट नहीं किए गए इस निर्णय के लिए नई दिल्ली के कारण परिचित लाइनों के समान है। पाकिस्तान भारत में आतंकवादी गतिविधियों का प्रायोजक बना हुआ है। इसलिए 'आतंकवाद और खेल' एक साथ नहीं चल सकते, जैसे कि 'आतंकवाद और बातचीत' एक साथ नहीं चल सकते। भारत सरकार का तर्क तथ्यों के आधार पर सही है, लेकिन इसके निष्कर्ष त्रुटिपूर्ण हैं। आइए पहले तथ्यों पर नजर डालें। पाकिस्तान ने भारत में आतंक का निर्यात बंद नहीं किया है। पिछले महीने की शुरूआत में विधानसभा चुनावों के सफल समापन के बाद पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों ने जम्मू और कश्मीर में हमारे सुरक्षा बलों और नागरिकों पर कई हमले किए हैं। हालांकि, पाकिस्तान का आतंकवाद को समर्थन कोई नई बात नहीं है। इसकी शुरूआत 1970 के दशक के अंत और 1980 के दशक की शुरूआत में हुई थी, जब इसने भारत को 2 मोर्चों पर नुकसान पहुंचाना शुरू किया खासकर पंजाब (खालिस्तानी संगठनों के माध्यम से) और कश्मीर में अलगाववादियों को बढ़ावा देकर और बाद में मुंबई, दिल्ली और अन्य जगहों पर भारतीय क्षेत्र में और भी गहराई तक हमला करके। घरेलू स्तर पर परिणामी अस्थिर परिस्थितियों और आतंकवाद के केंद्र के रूप में वैश्विक स्तर पर अर्जित बदनामी के कारण कई क्रिकेट खेलने वाले देशों ने पाकिस्तान का दौरा करने से परहेज किया। लेकिन क्या इससे यह निष्कर्ष निकालना सही है कि भारत को पाकिस्तान के साथ अपने सभी क्रिकेट संबंध तोड़ देने चाहिएं? नहीं, वास्तव में भारत ने 1993 में मुंबई पर हुए आतंकी हमलों और 2001 में संसद पर हुए हमले के बाद भी पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना जारी रखा। प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के आशीर्वाद से पाकिस्तान और भारत दोनों की धरती पर टैस्ट सीरीज खेली गईं। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भी दोनों टीमें खेलती रही हैं, हालांकि यू.ए.ई. और श्रीलंका जैसे तीसरे देशों में। यह इस निष्कर्ष को ध्वस्त करता है कि 'आतंकवाद और क्रिकेट एक साथ नहीं चल सकते'।दूसरे निष्कर्ष के बारे में क्या कहा जाए कि भारतीय टीम के लिए पाकिस्तान में खेलना असुरक्षित है? खैर, पाकिस्तान सरकार ने आई.सी.सी. सदस्यों को यह समझाने के लिए ठोस और सफल प्रयास किए हैं कि पाकिस्तानी धरती पर टैस्ट, वन-डे और टी20 सीरीज खेलना सुरक्षित है। हाल के वर्षों में, पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया, बंगलादेश, इंगलैंड, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और वैस्टइंडीज की टीमों की मेजबानी की है। इसकी राजनीति में असामान्यता की हद का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसके इतिहास के सबसे महान क्रिकेटर इमरान खान, जो इसके प्रधानमंत्री भी बने ,मामूली आरोपों में जेल में सड़ रहे हैं।

अब कनाड़ा में खालिस्तान बनने की प्रक्रिया शुरू

पियरे ट्रूडो के पद छोड़ने के ठीक एक साल बाद तलविंदर परमार ने जून 1985 में एयर इंडिया की फ्लाइट 182 (कनिष्क) में बम विस्फोट की साजिश की। इसमें विमान में सवार सभी 329 लोग मारे गए। हालांकि मरने वालों मे अधिकतर कनाडा के ही नागरिक थे। अभी कुछ माह पूर्व 25 मई को हमने अपने लेख में कहा था कि कनाडा में खालिस्तान समर्थकों की गतिविधि को भारत नजर अंदाज करता रहे। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को खालिस्तानियों का समर्थन करने दे, जल्दी ही खालिस्तान कनाडा में बने। भारत में नही। ऐसा होता अब नजर आने लगा है। खालिस्तानी वहां मांग करने लगे हैं कि कनाडा हमारा है। बाकी दुनिया भर के लोग अपने-अपने देश वापस जाएं। कनाडा में निकाले गए एक 'नगर कीर्तन' के दो मिनट के वायरल वीडियो में खालिस्तान समर्थकों ने कनाडाई लोगों को 'घुसपैठिया' कहा। उन्हें 'इंग्लैंड और यूरोप वापस जाने' के लिए कहा। वीडियो में जुलूस में शामिल लोगों को यह कहते हुए सुना जा सकता है। 'यह कनाडा है, हमारा अपना देश। तुम कनाडाई वापस जाओ। भारतीय खुफिया सूत्रों ने इस घटना को कनाडा में नॉर्मल करार दिया। कहा कि खालिस्तानी धीरे-धीरे देश के सभी पहलुओं पर 'कब्जा' कर रहे हैं। ठीक से निगरानी न होने की वजह से ये खालिस्तानी समूह स्थानीय कनाडाई लोगों से भी नियंत्रण छीन रहे हैं। हिंदुओं से सुरक्षा के लिए पैसे मांगे जा रहे हैं और अब उनकी कॉलोनियों में स्थानीय लोगों को खतरा है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भारत में खालिस्तान बनाने की मांग करने वाले अतिवादियों पर सत्ता संभालने के बाद से पूरी तरह मेहरबान है। भारत द्वारा इन अतिवादियों के बारे में दी गई जानकारी पर वे कुछ कार्रवाई नहीं कर रहे, अपितु भारत पर ही आरोप लगा रहे हैं कि भारत से फरार अपराधी खालिस्तानी अतिवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में उसके राजनयिक का हाथ है। हमने पहले लेख में कहा था भारत को चाहिए कि यह कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को भारत के खालिस्तान का समर्थन करने वाले अतिवादियों का समर्थन करने दें। कुछ समय ऐसा ही चलने दें। हां सार्वजनिक रूप से भारत उसे चेतावनी देने का सिलसिला जारी रखें। अपने यहां खालिस्तान समर्थकों पर सख्ती रखें। कुछ समय ऐसा ही चलता रहा तो यह निश्चित है कि अब खालिस्तान भारत में नही कनाडा में बनेगा। कनाडा की धरती पर बनेगा। हमारा पहला कथन अब सही होता दीखने लगा है। कुछ समय ऐसा ही होता रहा तो ये खालिस्तान समर्थक कनाडा के लिए ही सिर दर्द बनेंगे। कनाड़ा ने सख्ती की तो ये उसके खिलाफ विद्रोह पर उतर आएंगे। आज जो कनाड़ा कर रहा है, कभी वही भारत के कुछ नेताओं ने किया था। वह पंजाब में खालिस्तान की बढ़ती गतिविधियों को नजर अंदाज करते रहे। परिणाम स्वरूप पंजाब में रहने वाले हिंदुओं को पंजाब छोड़ने के लिए कहा जाने लगा। उन पर हमले होने शुरू हो गए। सिख आंतकवाद पंजाब में ही नही बढ़ा, अपितु उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र को भी उसने अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया। इस दौरान पंजाब में धार्मिक नेता भिंडरावाला तेजी से लोकप्रिय हुए। कहा जाता है कि राजनैतिक लाभ के लिए केंद्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने उसे प्रश्य देना शुरू कर दिया। हालत यह हुई कि वहीं भिंडरावाला कांग्रेस के लिए भस्मासुर साबित हुआ। उसने स्वर्ण मंदिर में डेरा जमा लिया। मजबूरन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भिंडरावाला को स्वर्ण मंदिर से निकालने के लिए फौज का सहारा लेना पड़ा। बाद में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी केही दो सिख सुरक्षा गार्ड ने उनकी हत्या कर दी।

दशपुर जागृति संगठन ने मनाया महारानी लक्ष्मीबाई का जन्मदिवस

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। महान क्रांतिकारी एवं राष्ट्र के लिए समर्पित देश का प्रथम संगठन दशपुर जागृति संगठन द्वारा 19 नवंबर झांसी की महारानी लक्ष्मीबाई का जन्मदिवस बड़े उत्साह उमंग के साथ पुष्पांजलि अर्पित करते हुए तथा गगन भेदी नारे महारानी लक्ष्मीबाई का यह बलिदान याद रखेगा हिंदुस्तान लगाकर मनाया गया।

महारानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा स्थल महारानी लक्ष्मीबाई चौराहा पर माल्यार्पण करते हुए संगठन के अध्यक्ष डॉ देवेंद्र पुराणिक ने कहा लक्ष्मीबाई का बलिदान बेकार नहीं जाएगा आज वर्तमान समय में 70 प्रतिशत क्षेत्र पर नारी बढ़-चढ़कर कार्य कर रही है यह

परिवर्तन का दौर है। संगठन के द्वारा पांच बहनों का सम्मान इस अवसर पर किया गया जो सेवा क्षेत्र में अपने कर्तव्य को महत्व देते हुए कार्य कर रही हैं उसमें सर्वप्रथम ब्रह्मकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय की सेवा भावी बहन हेमलता दीदी, जन अभियान परिषद की बहन तृप्ति बैरागी, अर्चना रामावत, मुकबधीर बच्चों की सेवा करने वाली अनामिका जैन, उत्कृष्ट विद्यालय की चंचल नलवाया का सम्मान प्रतिमा स्थल पर शाल श्रीफल सम्मान पत्र क्रांतिकारी तस्वीर भेंट करते हुए संगठन की सभी पदाधिकारी ने अपने हाथों से सम्मान पत्र दिया। संगठन के कार्यवाहक अध्यक्ष हरिशंकर शर्मा, उपाध्यक्ष इंजीनियर बीएससी सिसोदिया, संगठन सचिव आशीष बंसल, कोषाध्यक्ष आरसी पांडे, प्रतिमा संरक्षक रविंद्र पांडे, वरिष्ठसंगठन के महिला इकाई प्रेमलता मिंडा, किरण मंडोवरा, उषा कुमावत, सीमा चौरडिया, सुधा कुर्मी, प्रतिभा कड़ोदिया, संगठन के सेवाभावी कमलेश दुबे, महेश शर्मा, बंसीलाल टॉक, संगठन के विशेष सहयोगी कन्हैयालाल सोनगरा, वरिष्ठ सेवाभावी डॉ. घनश्याम बटवाल, रमेश चंद्र चंद्रे, घर-घर क्रांतिकारी पहुंचने वाले संगठन के चंद्र प्रकाश बिश्नोई, संगठन की 14 वर्षों से सेवा देने वाले अजीजुल्लाह खान खालिद, अरुण गौड़, पेन्शनर संघ के राजेन्द्र पोरवाल, अम्बालाल चन्द्रावत, अशोक शर्मा आदि उपस्थितजनों ने अपनी पुष्पांजलि लक्ष्मीबाई प्रतिमा पर अर्पित की। इस अवसर पर योग शिक्षक श्री बंशीलाल टांक का भी उनकी विशिष्टयोग प्रदर्शन के लिए स्वागत किया गया।

दशपुर विद्यालय ने मार्च पास्ट में प्रथम स्थान प्राप्त किया

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। हिंदुस्तान स्काउटस एंड गाइड के द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय टोली नायक प्रशिक्षण शिविर रतलाम जिले में मारुति एकेडमी सातरुंडा में सम्पन्न हुआ। जिसमें स्काउटस एंड गाइडकी आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताआओं में मार्च पास्ट प्रतियोगिता में दशपुर विद्यालय मंदसौर ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विजेता की ट्राफी प्राप्त की। कैम्पूरी से लौटकर आज विद्यालय पहुंचे दल ने विजयी ट्राफी एवं सहभागिता प्रतीक चिन्ह प्राचार्य प्रिंस सर को सौंपी। इस अवसर पर चीफ कमिश्नर/ राज्य अध्यक्ष डॉ. विजय सिंह पुरावत, राज्य मुख्यालय आयुक्त डॉ. क्षितिज पुरोहित विद्यालय के हिन्दुस्थान स्काउटस एंडगाइडकेप्रभारी कुणाल शर्मा व अन्य स्टाफ के सदस्य उपस्थित थे।

अज्ञात निराश्रित दिवंगत का अंतिम संस्कार पार्षद सुनील बंसल ने किया

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रतिदिन गांधी चौराहा पर भोजन ग्रहण करने आने वाले व्यक्ति जिनका नाम पिंटू है पिछले कई दिनों सेवा बैंक में आए। बीमार होने पर पिंटू को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया उसके बावजूद भी वह भोजन करने के लिए आ रहा था दो-तीन दिन पहले ही जब वह सहज आए कहा सिर्फ दो रोटी और सब्जी चाहिए। जबकि उस दिन समोसे और मिठाई भी थी लेकिन पिंटू ने कहा मुझे नहीं चाहिए बस में बहुत कम समय का मेहमान हूं। बंसल ने बताया कि सहज मैंने उससे बात की नाम पता क्या है आपको कोई समस्या हो तो बताओ। उसने कहा मैं आपसे आकर मिलूंगा लेकिन वो नहीं आया और सुबह 11 बजे करीब जिला चिकित्सालय से चौकी प्रभारी श्री नासिर भाई का फोन आया कि एक व्यक्ति जिसका नाम पिंटू उम्र लगभग 35 से 40 के बीच उसका देहांत हो गया है उसका अंतिम संस्कार करना है सूचना मिलने के बाद सारी व्यवस्थाओं के साथ नगर पालिका के स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत शर्मा और जाकिर भाई को फोन लगाकर शव वाहन से बस स्टैंड होते हुए कैलाश मार्ग से मुक्तिधाम ले जाकर हिंदू रीति रिवाज के अनुसार उसका अंतिम संस्कार किया गया। पिंटू को जब चिता पर लिटाया गया तो लगा कि उसकी जेब

में कुछ है तो जो हमारे मुक्तिधाम के कर्मचारी ने दोनों जेब देखे तो गले फटे नोट थे जिन्हें अन्न क्षेत्र न्यास कमेटी में कार्यालय प्रभारी राजेश डोसी को वह राशि 1651 रुपए सौंपी। नोट बिल्कुल गल चुके थे शायद बहुत दिनों से उसकी जेब में थे। प्रभु उसकी आत्मा को शांति दे उसका अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि सुनील बंसल ने दी।शव वाहन चालक यशवंत एवं नगर पालिका के स्वास्थ्य कर्मचारी ने भी सहयोग किया।

श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर पर भक्त मण्डल द्वारा 56 भोग, अन्नकूट व महाआरती आज

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। घण्टाघर के पीछे, पुरानी सब्जी मंडी स्थित अति प्राचीन एवं चमत्कारी मंदिर श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भक्त मण्डल द्वारा आज 20 नवम्बर, बुधवार को 56 भोग व अन्नकूट प्रसादी व महाआरती का आयोजन किया जा रहा है। भक्त मण्डल के पं. सुमित पाण्डे, दिनेश शर्मा, धीरज राठौर, विशाल राठौर, रामेश्वर पोरवाल, सुरेन्द्र चौहान बंदूक वाले ने बताया कि आज 20 नवम्बर को सायंकाल भगवान भोलेनाथ का अभिषेक कर विशेष श्रृंगार किया जाएगा। मंदिर परिसर को भी आकर्षक विद्युत सज्ञा से सजाया जाएगा। सायं 5.30 बजे से भगवान भोलेनाथ को 56 भोग एवं अन्नकूट प्रसादी का भोग लगाकर महाआरती आयोजित होगी। तत्पश्चात् भक्तों को अन्नकूट प्रसाद वितरित की जाएगी। भक्त मण्डल के पवन भाई, मदनलाल मैकेनिक, प्रहलाद भाटी, शांतिलाल सोनी, गोवर्धनलाल पालीवाल, अनूप शर्मा, हेमन्त टेकवानी, मदनलाल मौर्य, भगवानदास मेघनानी, अशोक फरक्या, अखिलेश त्रिपाठी आदि ने सभी धर्मालुजनों से आज आयोजित महाआरती व अन्नकूट प्रसादी में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

धामनिया की सरपंच भारती रावल पद से पृथक

नीमच, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर द्वारा नीमच जनपद क्षेत्र की ग्राम पंचायत धामनिया की सरपंच श्रीमती भारती रावल को म.प्र.पंचायत राज एवं ग्राम स्व राज अधिनियम 1993 की धारा 40 के अंतर्गत ग्राम पंचायत धामनिया के सरपंच के पद से पृथक करने का आदेशा जारी किया गया है। इस संबंध में जिला पंचायत नीमच केसीईओ द्वारा जारी आदेशानुसार ग्राम पंचायत धामनिया की सरपंच श्रीमती भारती रावल ने अपने पद का दुरूपयोग करते हुए अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाते हुए शासकीय भूमि के स्वालमित्व प्रमाण पत्र जारी कर दिए। जबकि भू-राजस्वर संहिता की धारा 244 अंतर्गत यह अधिकार तहसीलदार को प्राप्त है। इस प्रकार इनके द्वारा जारी भूमि स्वारमित्वं प्रमाण पत्र के आधार पर शासकीय भूमि की रजिस्ट्री व नामांतरण कराया जाकर, हेराफेरी की गई हैं। सरपंच द्वारा अपने पद का दुरूपयोग करते हुए शासकीय भूमि को खुर्दबुर्द किया गया।

सीएम हेल्पलाईन में दर्ज शिकायतों को गंभीरता के साथ निराकृत करें-चंद्रा

नीमच, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सीएम हेल्पलाईन में दर्ज शिकायतों के निराकरण का सभी विभागों ने गत एक माह में अच्छा प्रदर्शन करते हुए शिकायतें संतुष्टी के साथ बंद करवाई है। सभी अधिकारी सीएम हेल्पहलाईन में दर्ज 50 दिवस से अधिक की शेष रही शिकायतों और समाधान ऑनलाईन में दर्ज शेष शिकायतों को पूरी गंभीरता केसाथ सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निराकृत करवाएं। सभी विभाग अपनी हर एक शिकायत को देखकर, निराकरण, प्रतिवेदन दर्ज करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने जिला अधिकारियों की बैठक में सीएम हेल्प लाईन की विभागवार समीक्षा करते हुए दिए। बैठक में एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर, सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टेर एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी जिला अधिकारी अपने विभाग की सीएम हेल्पलाईन में दर्ज शिकायतों को खोल कर देख लें, मांग आधारित शिकायतों को मांग मॉड्यूल में स्थानातंरित करें। शेष शिकायतों को संतुष्टी के साथ बंद करवाएं। आवेदकों से चर्चा कर उन्हें निराकरण से अवगत करवाएं और उनसे शिकायते बंद करवाएं। बैठक में कलेक्टर ने राजस्व महा अभियान की तहसीलवार प्रगति की समीक्षा की। उन्हौने सभी राजस्व अधिकारियों को राजस्व महाअभियान के तहत राजस्व प्रकरणों का तेजी से निराकरण करने के निर्देश दिए।

श्रीमती इंदिरा गांधी ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण करके आम आदमी के लिए बैंकों का रास्ता खोला-रातड़िया

शहर ब्लॉक कांग्रेस मंदसौर ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की जयंती मनाई

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भारत की पूर्व प्रधानमंत्री आयरन लेडी स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी की जयंती पर जिला कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन मन्दसौर पर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर के नेतृत्व में पुष्पांजलि का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठकांग्रेस जन व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजली अर्पित की गई।

इस अवसर पर पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रातडिया ने इंदिरा गांधी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रीमती इंदिरा गांधी भारत ही नहीं पूरे विश्व की महान नेता थी और उन्होंने बचपन से ही देशभक्ति का पाठ पढा और अपने आप को देश सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उन्हें महात्मा गांधी के चरणों में बैठने का अवसर मिला रविंद्र नाथ टैगोर के शिक्षा संस्थान से उन्होंने शिक्षा ग्रहण करी। कई बार स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में भाग लिया और कई बार जेल यात्रा करी। 1942 के आंदोलन में श्रीमती इंदिरा गांधी और उनके पति फिरोज गांधी को विवाह के साढे चार माह के बाद ही गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। 1947 में देश आजाद हुआ तब प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू बने और उनके सानिध्य में श्रीमती इंदिरा गांधी गतिविधियों में लगातार सक्रिय रही। सन 1959 में श्रीमती इंदिरा गांधी कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनी। नेहरू पंडित नेहरू पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के मृत्यु के बाद लाल बहादुर शास्त्री प्रधानमंत्री बने और उनकी कैबिनेट में स्वर्ग की श्रीमती इंदिरा गांधी सूचना एवं प्रसारण मंत्री बनी। इसके बाद प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु के बाद कांग्रेस पार्टी की संसदीय दल की बैठक हुई जिसमें मतदान के द्वारा इंदिरा गांधी को नेता चुना गया और वह प्रधानमंत्री बनी स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में कई विकास कार्य किए। जिसमें 'श्वेत क्रांति' की शुरुआत कर राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की स्थापना की। वही हरित क्रांति की वजह से भारत के कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आया। उन्होंने बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया जिससे भारतीय बैंकिंग प्रणाली मज़बूत हुई। उन्होंने 1967 में चीन के साथ एक सैन्य संघर्ष का नेतृत्व किया. इस संघर्ष में भारत ने हिमालय में चीनी घुसपैठियों को खदेड़ा, 1974 में परमाणु परीक्षण करने से भारत का दुनिया में दब दबा बड़ा। उन्होंने 1984 में ऑपरेशन मेघदूत के ज़रिए सियाचिन पर कब्ज़ा किया। शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने कहा कि आज के दिन ही 19 नवंबर 1960 को तत्कालीन प्रधानमंत्री पण्डित जवाहरलाल नेहरू ने हमें गांधीनगर डेम की सौगात दी थी जो कि एशिया की सबसे बड़ी मानव निर्मित झील है। इस पुष्पांजलि कार्यक्रम में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मोहम्मद हनीफ शेख शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्र सिंह तोमर, जिला कांग्रेस पदाधिकारी में सर्वश्री कांतिलाल राठौर, तरुण खींची, डॉ.प्रीतिपाल सिंह राणा, आसिफ छिपा, अजय लोढा, सुश्री इशा भाचावत, सकलेन करार, राजनारायण लाड, सेवादल जिला अध्यक्ष दिलीप देवडा, शहर ब्लॉक कार्यवाहक अध्यक्ष सलीम खान, मंडलम अध्यक्ष दशरथ सिंह राठौड़, नितेश सतीदासानी, जगदीश जटिया, घनश्याम चौहान, अमीन खान, सादिक गोरी, सुरेश कछारा आदि इस अवसर पर उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्र सिंह तोमर ने किया कार्यक्रम का आभार सेवादल अध्यक्ष दिलीप देवडा ने माना।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला उद्यमिता दिवस मनाया

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डा.सुधीर रायजादा ने बताया कि महाविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय महिला उद्यमिता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठप्राध्यापक डा.पी.एल.पाटीदार ने कहा कि कोई व्यक्ति जब किसी आर्थिक गतिविधि को लेकर कोई व्यावसायिक क्रियाकलाप सम्पादित करता है तो वह उद्यम करना कहलाता है। उद्यम किसी नये विचार का प्रवर्तन है। ऐसा वो व्यक्ति करता है जिसमें साहस होता है तथा जोखिम वहन करने की क्षमता है।

मेक इन इंडिया और वोकल फार लोकल जैसी योजनाओं ने महिला उद्यमियों को व्यावसायिक गतिविधियों को करने के लिए प्रेरित किया। विश्व में विभिन्न क्षेत्रों में भारत की 45 महिला उद्यमी शीर्ष स्थान पर हैं उक्त योजनाओं ने विगत दस वर्षों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को प्रेरित किया और 119 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई। भारत धीरे-धीरे मेन्यूफक्चरिंग क्षेत्र में विश्व के लिए हब बनता जा रहा है। परिणामस्वरूप मोबाईल निर्माण में दूसरा स्थान है तथा आटोमोबाईल क्षेत्र में तीसरा स्थान है। देश में 2.40 लाख स्टार्ट अप कंपनियाँ है, जिनमें से 117524 को मान्यता प्राप्त हो गई। इनमें महिला उद्यमियों का योगदान लगभग 18 प्रतिशत है। आपने देश की शीर्ष 10 महिला उद्यमियों के क्रियाकलापों पर विस्तार से प्रकाश डाला जिनमें कल्पना सरोज, फाल्गुनी नायर, वंदना लूथर, सूची मुखर्जी, किरण मजूमदार, शहनाज हुसैन, खुश्बु जैन, राधिका घई अग्रवाल, श्री लक्ष्मी सुरेश आदि सम्मिलित है। आपने कहा कि भारत सरकार की महिला उद्यमियों के विभिन्न योजनाओं का परिणाम है कि वर्ष 2014 में जिन महिला निदेशकों की सख्या 2.58 लाख थी, जो 3.4 गुना बढकर अगस्त 2024 में 8.83 लाख हो गई। इस अवसर पर देश के भारतरत्न जाने माने उद्योगपति श्री रतनजी टाटा का भी स्मरण किया और कहा कि आपने भी युवा उद्यमियों के लिए हमेशा मार्गदर्शन किया और वे उन्हें अनिश्चितता व जोखिमों की सीमा पर करके कार्य करने की प्रेरणा देते रहे। इनके इस कदम से इनोवेशन और उद्यमिता की संस्कृति विकसित करने में बडी मदद की। आने वाले समय में हम इसका सकारात्मक प्रभाव जरूर देखेंगें। उन्होने हमेंशा बेहतरीन क्वालिटी के उत्पाद और सेवा पर जोर दिया तथा भारतीय उद्योगों को ग्लोबल बंचमार्क स्थापित करने का रास्ता दिखाया। कार्यक्रम का संचालन बीबीए विभाग की सुश्री अंजली तिवारी ने किया और आभार श्रीमती दिपिका कश्यप ने माना।

जनसुनवाई के दौरान 67 ग्रामीणजनों की समस्याएं सुनी

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन एवं अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा सुशासन भवन सभाकक्ष में 67 ग्रामीणजनों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान निवासी पिपल्या विश्रया के अशोक कुमार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मकान की राशि स्वीकृत होने के बाद भी राशि नहीं मिलने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया जिस पर सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन ने सीईओ जनपद पंचायत मल्हारगढ को निर्देश दिए कि उक्त आवेदन की जांच कर निराकरण करें। निवासी गागसी के दशरथ लाल द्वारा स्वयं के हिस्से के प्लाट जबरन ग्राम पंचायत से मिलकर दूसरे व्यक्ति के नाम पर करने एवं प्रार्थी को परेशान करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया जिस पर सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन ने तहसीलदार शामगढ को निर्देश दिए कि आवेदन की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। निवासी धामनिया की श्यामु बाई द्वारा उनके पति की मृत्यु के बाद मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना के अंतर्गत अनुग्रह राशि नहीं मिलने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया जिस पर सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन ने सीईओ जनपद पंचायत सीतामऊ को निर्देश दिए कि उक्त आवेदन की जांच कर राशि की भुगतान की कार्यवाही करें। निवासी नाहरगढ के दशरथ माली के द्वारा शासकीय कुएं को अवैध तरीके से निजी व्यक्ति के नाम पर चडाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया जिस पर सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन के द्वारा सीतामऊ एसडीएम को निर्देश दिये गये की आवेदन की जांच करें एवं शासकीय कुएं से अतिक्रमण हटावायें। जनसुनवाई में बीपीएल सूची में नाम जुडवाने, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवास मंजूर करने, निजी भूमि पर अवैध अतिक्रमण, भूमि विवाद, बीमारी सहायता, आपसी विवाद, शिक्षा ऋण दिलाने, सामुदायिक सुविधा घर (कम्युनिटी टायलेट) बनवाने आदि विषयों के आवेदन प्राप्त हुये।

सिंचाई नहरों की साफ-सफाई एवं मरम्मत का कार्य प्राथमिकता से करवाए-चन्द्रा

जनसुनवाई में जल संसाधन विभाग को दिये कलेक्टर ने निर्देश, जनसुनवाई में 95 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में सिंचाई तालाबों से निकली नहरों की साफ-सफाई एवं मरम्मत का कार्य प्राथमिकता से पूरा करवाए, जिससे कि किसानों के खेतों में सिंचाई के लिए पानी पहुंचाने में कोई अवरोध न रहे। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए मोरवन के एक किसान के आवेदन पर जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को दिये। जनसुनवाई में ए.डी.एम. श्रीमती लक्ष्मी गामड़, जिला पंचायत सी.ई.ओ. श्री अरविंद डामोर, सभी डिप्टीज कलेक्टर, एस.डी.एम. नीमच व जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में ग्राम पंचायत परलाई के सरपंच श्री बाबुलाल ने ग्राम परलाई से ग्राम डुंगरपुर तक 6 कि.मी. तक प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना में पक्की सडक निर्माण करवाने संबंधित आवेदन पर महाप्रबंधक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क को प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति के लिए भिजवाने के निर्देश दिये गये है। ग्वालदेविया के किसान नैनसिंह गुर्जर ने शासकीय स्टापडेम की दीवाल तोडकर पानी बहा देने वाले ग्रामीणों के विरूद्ध कार्यवाही करने संबंधी आवेदन पर कलेक्टर ने जनपद नीमच के सी.ई.ओ. को कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इसी तरह जनसुनवाई में रूपपुरा के विरेंद्रसिंह, लसुडिया़आत्री के रमेशचंद्र एवं मानसिंह, पिपलियाघोटा की ललिताबाई एवं प्रेमबाई, भाटखेडी के शंकरलाल, गिरदौड़ा के भंवरलाल, जाट के मोहम्मद इकबाल, खेरखेड़ा के कजोडमल, रामपुरा के सुरेंद्र, कंर्जाडा की साबुबाई, चीताखेडा के शंकरलाल, डुंगलावदा के पंकज, मोरवन के सुरेंद्र, रतनगढ के राधेश्याम, बरडिया़ के सुरेश, पालसौडा की रंजिता, बंगला नं 55 की यासमीन, नीमच सिटी के सज़जनलाल, सेमलीचंद्रावत के कमल, ग्वालटोली के कमल, रामपुरा की ज्योाति एवं देवीलाल, मनासा की अनिताबाई, रामपुरा की गेंदाबाई, जीरन के राजु, सिंगोली की वर्षा, केसरपुरा के अंकित, अरनियाकुमार की पिंकी, चीताखेडा के तेजपाल, मनासा के देवीलाल, लासुर के गोपाल, देवरीआंत्री के मुकेश आदि ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर समस्याएं सुनाई। प्राप्त आवेदनों पर संबंधित अधिकारियों को समयसीमा में कार्यवाही करे। संबंधित आवेदकों को सूचित करने के निर्देश दिये गये है।

राज्य स्तरीय वालीबाल प्रतियोगिता में चयन

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। दशपुर विद्यालय खेल शिक्षक श्री देवेंद्र बैरागी ने जानकारी देते हुए बताया कि दशपुर विद्यालय की छात्रा विशिका मालवीय का चयन बालिका 14 वर्ष राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन हुआ है। यह प्रतियोगिता दिनांक 19/11/2024 से 24/11/2024 तक सिंगरौली में आयोजित की जायेगी। छात्रा की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन, प्राचार्य प्रिंस वी थॉमस, सुपरवाइजर श्री हाकिमप्रसाद शर्मा एवं खेल प्रशिक्षक, श्री जयविजय सिंह सिसोदिया, श्री आकाश गाजवा, श्री नवीन खोखर, श्री कुणाल शर्मा एवं श्री भारत सिंह ने बधाई देते हुए इनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

अष्टमुखी श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर का 64वां प्रतिष्ठा महोत्सव आज

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री पशुपतिनाथ मंदिर पुजारी परिवार द्वारा आज दिनांक 20 नवम्बर 2024, बुधवार को भूतभावन भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर का भव्य 64वां प्रतिष्ठा महोत्सव भव्य रूप से मनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मार्गशीर्ष कृष्ण पंचमी को भगवान श्री पशुपतिनाथ की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। इस कारण हर वर्ष इस तिथि पर यह आयोजन पुजारी परिवार द्वारा किया जाता है।

पुजारी परिवार के सदस्यों ने बताया कि आज 20 नवम्बर को आयोजित प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत प्रात:काल से ही विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे। जिसमें सर्वप्रथम प्रात: 7.30 बजे से 51 विद्वान ब्राह्मणों द्वारा महारूद्र अभिषेक प्रारंभ किया जाएगा। अभिषेक पश्चात् अष्टमुखी भगवान पशुपतिनाथ महादेव के प्रतीमा का एवं गर्भगृह का विशेष फूलों से भव्य व नयनाभिराम श्रृंगार किया जाएगा। जिसमें श्रद्धालुओं से चारों द्वार से भगवान के विभिन्न रूपों में दर्शन होंगे। साथ ही 51 हजार लड्डूओं का भगवान को भोग लगाया जाएगा। सायं 6.15 बजे बाबा पशुपतिनाथ जी की भव्य महाआरती होगी। महाआरती के दौरान बाहर के विशेष कलाकारों द्वारा बैंड तथा नासिक व अहमदाबाद के ढोल की प्रस्तुति दी जाएगी तथा आतिशबाजी भी होगी। महाआरती के पश्चात् भक्तों को लड्डूओं का प्रसाद वितरित किया जाएगा। प्रतिष्ठा महोत्सव हेतु तैयारियां जोर शोर से की जा रही है। मंदिर परिसर को सजाया जा रहा है साथ ही 51 हजार लड्डूओं के भोग तैयार किया जा रहा है। पुजारी परिवार पशुपतिनाथ मंदिर मंदसौर ने सभी धर्मप्रेमी बन्धुओं से ने निवेदन किया है कि धर्म और अध्यात्म के आयोजन में सभी पधारकर धर्मलाभ प्राप्त करें।

भतीजे ने पीटा, केस दर्ज

पिपलियामंडी, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मारपीट के मामले में पुलिस ने भतीजे पर प्रकरण दर्ज किया। डोरवाडा निवासी प्रकाश बागरी ने नारायणगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि भाई सुरेश से खेत की पाइप लाइन को लेकर विवाद हो गया। इसको लेकर सुरेश का बेटा राहुल आया, गाली-गलौज की व कुल्हाडी के हत्थे की मूह पर मारी, जिससे नाक, आंख व गाल पर चोंट आई। पुलिस ने राहुल पर केस दर्ज किया।

विधि महाविद्यालय मंदसौर में आयोजित हुआ रक्तदान महोत्सव

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय मंदसौर में 19 नवम्बर को महाविद्यालय की एन.एस.एस. शाखा के सहयोग से व जिला रेड-रिबन क्लब एवं एच.डी. एफ.सी. बैंक मंदसौर के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों व स्टाफ आदि के द्वारा 30 यूनिट रक्तदान किया गया।

कार्यक्रम में अतिथिगण के रूप में श्री जितेश चौहान (क्लस्टर्स हेड एच.डी.एफ.सी.), श्री विक्रम राणा (ब्रांच मेनेजर), श्री राकेश पाटीदार (ऑपरेशन ब्रांच मैनेजर एच.डी.एफ.सी. बैंक), श्री डॉ. राजेश रजक (कोऑर्डिनेटर जिला एड नियंत्रण समिति मंदसौर) एवं श्री रामगोपाल पाटीदार (ब्लड बैंक परामर्शदाता मंदसौर) आदि ने उपस्थित होकर रक्तदान के महत्व को एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक विषय को प्रतिपादित किया। उपस्थित अतिथिगण का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. विनोद कुमार पाटीदार द्वारा करते हुए विद्यार्थियों को रक्तदान व स्वास्थ्य हेतु प्रोत्साहित किया गया। आभार वरिष्ठप्राध्यापक डॉ. राजेश कौशिक द्वारा प्रकट किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. प्रवीण कुमार चौधरी द्वारा किया गया।

वनवासियों के प्रति कृतज्ञता का महापर्व...

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भारत ने अपनी धर्म - संस्कृति और स्वतंत्रता के संरक्षण संवर्धन के लिए सैकडों वर्षों तक संघर्ष किया है। इस संघर्ष में देश के प्रत्येक नागरिक, जाति, पंथ, धर्म, वर्ग का कन्ही न कन्ही ऐतिहासिक योगदान रहा है। इसलिए भारत की स्वतंत्रता को किसी एक व्यक्ति, संस्था, संगठन के आईने में देखकर यह नही माना जा सकता की केवल उन्ही के योगदान से यह सबकुछ संभव हुआ। भारत की दासता से मुक्ति का विषय हो या इससे पूर्व के 1857 से लेकर उसके पूर्व के जितने भी कठोर संघर्ष हुए उसमे सुदूर ग्रामीण क्षेत्रो वनांचल, गिरिजन सबका बलिदान ऐतिहासिक रूप से रहा है। वनवासी अंचल के जनजाति बंधुओ ने न केवल धार्मिक, सांस्कृतिक एकरूपता को बनाए रखने व बचाने में सहयोग किया बल्कि स्वतंत्रता समर के आंदोलन में असंख्य योद्धाओ ने अपने खून के अंतिम कतरे और जीवन की अंतिम सांस तक मां भारती की सेवा में स्वयं को आहूत किया है। केंद्र सरकार ने 15 नवंबर को जनजातीय गोरव दिवस मनाना प्रारंभ किया है इसके लिए उसे साधुवाद है। इसमें जनजातीय समाज के सांस्कृतिक अवदान को रेखांकित करने का भाव समाया हुआ है। हमारे संविधान में जनजातियों के विकास के लिए पर्याप्त प्रबंध तो संविधान निर्माताओं ने अवश्य किए किंतु सत्ताधीशों ने जनजाति समाज की दिशा एवम दशा सुधारने के लिए दृढ इच्छाशक्ति नही दिखलाई और उसका परिणाम यह हुआ की वनांचलो में निवास करने वाला जनजाति समाज आज भी विकास की राहे ताकने के साथ ईसाई मिशनरियो के निशाने पर बना हुआ है। जन्हा सेवा, सहायता और प्रलोभन देकर उनका धर्मांतरण का खेल खेला जा रहा है। यह एक गंभीर समस्या है। जनजातीय गौरव दिवस भारत के सांस्कृतिक स्वरूप को निर्मित करने में अभिन्न योगदान देने वाले संपूर्ण जनजातीय समाज की समृद्ध विरासत, ऐतिहासिक योगदान, समरसता, समानता एवम बहुलतावादी संस्कृति में संपूर्ण विश्व को एक विशिष्ट पहचान के साथ परिचित करवाने का राष्ट्रीय उत्सव बनेगा। भारतीय सभ्यता व संस्कृति के विकास काल से लेकर वर्तमान कालखंड तक जनजातीय वनवासी समाज ने हमारे समक्ष आदर्श जीवन के दिशासूत्र सौंपे है। भगवान श्रीराम ने वनवास के समय जिस आत्मीयता, श्रद्धा और भक्ति के भाव के साथ वनवासी समाज ने उन्हें अपना माना वह कालखंड सांस्कृतिक शिखर की महागाथा गा रहा है। भीलनी माता शबरी, निषादराज, केवट सहित अनन्य बंधुजनो ने श्रीराम, लक्ष्मण व माता सीता के साथ ऐसे घुल मिल गए की सब राममय हो गया। भारतीय समाज को अलग - अलग तरीके से परिभाषित करने व श्रेष्ठ एवम हेय के रूप में दिखलाने का चलन तो आक्रमण काल एवम अंग्रेजी विभाजन के समय से प्रारंभ हुआ है। अभिप्राय यह है की भारतीय संस्कृति के कालखंड में विभिन्न जातियां अपनी वर्ण परम्परा के साथ ही महत्वपूर्ण होती थी। जो भिन्नता के साथ भी अभिन्न होती थी।

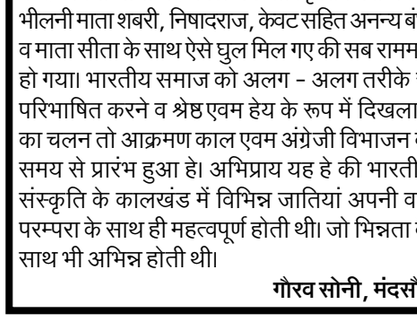

गौरव सोनी, मंदसौर

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

भाकिसं मालवा प्रांत ने केन्द्र सरकार को पत्र मेल कर जीएम नीति के बारे में पुनर्विचार करने की मांग की

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय किसान संघ मालवा प्रांत जिला मंदसौर द्वारा राष्ट्रव्यापी आव्हान के तहत 19 नवम्बर को भारत सरकार के लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला, पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव, राज्यसभा सभापति श्री जगदीप धनखड को राष्ट्रीय जी.एम. नीति और सलाह तथा जी.एम. फसलों के बारे में हितधारकों के साथ राय के संबंध में पत्र ई-मेल के माध्यम से भेजे गये।

भारतीय किसान संघ मालवा प्रांत के जिलाध्यक्ष बद्रीलाल पाटीदार देहरी व जिला मंत्री राधेश्याम धाकड फतेहगढ ने बताया कि 19 नवम्बर को पूरे देश भर में भारतीय किसान संघ ने एक साथ ईमेल किये गये है। जिसमें उल्लेख किया गया कि 23 जुलाई 2024 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 2 माननीय न्यायाधीशों की बेच द्वारा जी.एम. सरसों के बारे में अपने निर्णय में केन्द्र सरकार को संभवत आगामी 4 माह में सभी संपर्कित व्यक्तियों (कृषि, कृषि वैज्ञानिक, राज्य सरकारों, किसान संगठनों, उपभोक्ता संगठन आदि) से सलाह करते हुए जी.एम. फसलों के उम्रर एक राष्ट्र नीति बनाने की सलाह के बारे में हमने आपको आग्रह किया था कि कि यह सलाह की प्रक्रिया जल्द से जल्द की जाये। यह एक गंभीर मामला है। बी.टी. कपास आते हुए करीब 22 वर्ष हो गये, फिर भी जी.एम. के बारे में कोई सहमति नहीं बनी। ऐसी फसलों को हम शाकाहारी बोले अथवा मांसाहारी इसके बारे में भी कोई निर्णय नहीं हुआ है। इसका प्रसंस्कृत खाद्य को हम मांसाहारी चिन्हित करें या शाकाहारी इसके उम्रर निर्णय लेना अभी बाकी है। ऐसी फसल अलग-अलग खेत में किया जाना, इसका खरीददारी के लिए अलग व्यवस्था करना, इसके प्रसंस्करण के लिए अलग फैक्ट्रियां लगाना और लोग खायें या न खायें इसके लिए भी सोचना अभी बाकी है। इसके अलावा ये सारी फसले अपरिवर्तनीय, जैव विविधता को नष्टकरने वाले, कुपोषण को बढ़ाने वाले, पर्यावरण को नष्ट करने वाले, खाद्य को जहरीला बनाने वाले, इसकी खेती में उपयोग रासायनिक कैंसर बढ़ाने वाले है। इसलिए सभी हितधारकों के साथ बात करना आवश्यक है एवं वार्ता करके राष्ट्रीय नीति बनाना आवश्यक है।

कई फसलों में जीव जन्तुओं के जीन को डालकर नया जीव तैयार का खेल चल रहा है। अभी तक यह तय नहीं है कि ऐसी फसलों को फसल कहें या जीव, खाद्यान्न फसलों में यदि जीव जंतुओं का जीन डाला जाता है तो उसको शाकाहारी बोलेंगे या मांसाहारी यह भी तय नहीं है। जैसे की आप अवगत है कि किसी भी जी.एम. फसल में अभी तक अधिक उपजाऊवाले जीन का उपयोग नहीं हुआ है और झूठामूठा इसको अधिक उपजाऊ वाला बोलना एक वैज्ञानिक धोखा जैसा है। फिर भी इसके पक्ष में आवाज उठाना, भीडतंत्र तैयार करना, वैज्ञानिकों को इसके बारे में चर्चा करने के उम्रर प्रतिबंध लगाना एक बड़े षडयंत्र की ओर इसारा कर रहा है। जैसे कि मल्टीनेशनल कंपनियां एवं उनके साथ भारत में उनके स्लीपर सेल के समान कार्य करने वाले एवं भारत को कमजोर करने की सोच रखने वाले वेश, ये सभी मिलकर ऐसा दुश्चक चला रहे है, जिससे विश्व में भारत की कृषि क्षेत्र में जो थाथी है उस पर आघात कर सके और जी.एम. बीजों के माध्यम से ये भारत की बीज स्वायत्तता को नष्ट कर सके। यदि यह है तो विषय बहुत ही गंभीर है। आशा करते है कि गंभीर जिम्मेदारियों को समझते हुए आपका मंत्रालय, माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार सभी हितधारकों के साथ सलाह मशवरहा करने के लिए तत्काल आगे कदम बढायेगा और पब्लिक डोमेन में इसका प्रचार-प्रसार करते हुए सभी हितधारकों को सलाह के लिए आमंत्रित करेगा। सभी जानते है कि आज तक किसी भी जी.एम. फसल में अधिक उपजाऊवाले जींन का उपयोग नहीं हुआ है। तब भी झूठमूठ इसको अधिक उपजाऊ बोलना एक वैज्ञानिक धोखा जैसा है। मल्टीनेशनल कंपनियां एवं उनके साथ भारत में उनके स्लीपर सेल के समान कार्य करने वाले एवं भारत को कमजोर करने की सोच रखने वाले देश, ये सभी मिलकर ऐसा दुश्चक्र चला रहे है, जिससे विश्व में भारत की कृषि क्षेत्र में जो थाथी है उस पर आघात कर सके और जी.एम. बीजों के माध्यम से ये भारत की बीज स्वायत्तता को नष्टकर सके।

भारतीय किसान संघ मालवा प्रांत ने आग्रह किया कि देश का सबसे बड़ा अराजनैतिक, स्वतंत्र, देश में 600 से अधिक जिलों में विस्तारित, हजारों की संख्या में ग्राम समितियों के माध्यम से सक्रिय किसान संगठन भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधि के नाते हम आपसे आग्रह करते है देश हित में, किसान हित में पर्यावरण हित में, जैव विविधता के हित में, देशवासियों के स्वास्थ्य के हित में ऐसी फसल भारत में प्रवेश न करने दे, इसके लिए आप प्रयास करेगें। एक और इस विषय में सभी हितधारकों से व्यापक चर्चा करते हुए एक राष्ट्रीय जी. एम. नीति (मा. सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार) बने इसके लिए सरकार को संवेदनशील होकर, भूमिका निभाने के लिए सक्रिय सहयोग करायेगे।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	390	2280	2380
उडद	101	5001	7000
सोयाबीन	4972	4000	4410
गैहु	2393	2681	3221
चना	264	5000	6500
मसुर	120	5555	6411
धनिया	263	5601	6991
लहसुन	12500	15000	32500
मैथी	850	4700	5950
मुंगफली	9000	4100	5400
अलसी	3250	5740	6162
सरसो	450	5695	5999
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	78	9500	13000
प्याज	9500	1500	3850
कलोंजी	14	14499	18601
तुलसी बीज	15	14000	20400
डॉलर	34	6000	10100
तिल्ली	49	9301	12680
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	1	6000	6000
असालीया	63	10401	12001
चिया	10	14501	15681

बड़ा अस्पताल: आरामगृह के बंद होने से भटकते लोग

डेंगू-मलेरिया के खतरे के बीच खुले में रात काटने की मजबूरी, मेडिकल कालेज से संबद्ध अस्पताल में मरीजों के परिजनों के लिए नहीं कोई आसरा

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सुंदर लाल पटवा मेडिकल कॉलेज से संबंध मंदसौर के बड़े अस्पताल में मरीजो के परिजनो के रूकने हेतु कोई व्यवस्था नहीं है। यही कारण है कि डेंगू और मलेरिया के खतरें के बीच लोगो को खुले में रात गुजारना पड़ रही है। इसका कारण है कि मरीज के परिजनों के लिए रात गुजारने के लिए कोई ठिकाना अस्पताल में नहीं है। आराम गृह बंद होने के बाद कोई कदम इस ओर नहीं उठाया गया। रेडक्रॉस सोसयटी ने वर्ष 2016 में बड़े अस्पताल परिसर में 37.51 लाख रुपए का आराम गृह का निर्माण किया था। जिसमें मरीजो के परिजन इधर उधर भटकने की बजाय रात गुजारते थे। लेकिन, कोविड के समय इसे कोविड सेंटर बनाया गया। इसके बाद इसे शिशु वार्ड बना दिया गया। अब स्थिति फिर से वही है। मरीजो के परिजन मच्छरों के साथ ठंड, बारिश और गर्मी में खुले में रात गुजारने को मजबूर है।

बड़े अस्पताल परिसर में आठ साल पहले ही रेडक्रॉस ने आराम गृह की शुरुआत की थी। इसका शुल्क 25 रुपए प्रति व्यक्ति रखा गया था। 60 पलंग की क्षमता वाले आराम गृह के कारण बाहर से आने वाले मरीजों के परिजनों को खासी सुविधा उपलब्ध हो गई थी। निर्धारित शुल्क देकर अच्छी व्यवस्थाओं के साथ रात गुजार रहे थे। लेकिन, कोविड के समय स्वास्थ्य विभाग ने प्रशासन से बात की। इसके बाद भवन को अस्पताल को स्थानांतरित कर दिया गया। लेकिन, कोविड खत्म होने के बाद अस्पताल ने इस पर कब्जा जमा लिया। इसे शिशु वार्ड बना दिया गया। अब मरीजों के परिजनों को होने वाली समस्या जस की तस है। अब बड़े अस्पताल परिसर में सुविधा होने के बावजूद लोग जचा-बचा वार्ड, ओपीडी के बाहर सहित अन्य जगह पर परेशानी में रात गुजार रहे हैं। इस मामले में रेडक्रॉस ने कलेक्टर को अवगत भी कराया। लेकिन, अभी तक कोई परिणाम नहीं निकला।

बिस्तर का किराया पद्रह रुपए रोज...

अस्पताल परिसर में रजाई और बिस्तर का किराया 15 रुपए रोज है। कई लोग आराम गृह का उपयोग कर रहे थे। इसका कारण है यहां किराया महज पच्चीस रुपए निर्धारित किया गया था। जबकि, बाहर सोने पर अभी भी पद्रह रुपए बिस्तर का किराया देना पड़ रहा है। वहीं सुबह सुलभ शौचालय के दस रुपए अलग। जबकि, आराम गृह में सभी सुविधा उपलब्ध दी।

हर मौसम में परेशान लोग...

आराम गृह में दो हॉल, शौचालय, सीसीटीवी कैमरे, पलंग सहित लगभग सभी व्यवस्थाएं की गई थी। एक हॉल महिलाओं के लिए रखा गया था। यहां गर्मी के हिसाब से व्यवस्था की गई थी। पंखे सहित अन्य संसाधन उपलब्ध थे। साथ ही ठंड में भी रजाई सहित बिस्तर उपलब्ध होने से मरीज के परिजनों को परेशान नहीं होना पड़ रहा था। साथ ही बारिश में भी लोग आराम गृह का उपयोग कर रहे थे। लेकिन अब हर मौसम में लोग परेशान है। किराये के बिस्तर लेकर इधर उधर रात में भटकना मजबूरी है। वहीं मच्छरों से भी खासी परेशानी हो रही है।

नागदा-भोपाल, रतलाम-चंदेरिया सेक्शन भी कवच से लेस होगा

ट्रेनों की स्पीड 160 किमी तक करने की तैयारी

रतलाम, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। ट्रेनों की स्पीड बढ़ाने के साथ ही सुरक्षा को लेकर रेलवे अपने संसाधन मजबूत कर रहा है। दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग के साथ ही रतलाम रेल मंडल में रतलाम से चंदेरिया और नागदा से भोपाल तक का सेक्शन भी कवच युक्त करने की तैयारी चल रही है। इसके लिए रेल मंडल से टेंडर जारी हो गए हैं। काम पूरा करने के लिए दो साल की समय सीमा रखी गई है। इससे नीमच, मंदसौर, चित्तौड़गढ़ के साथ ही उज्जैन, भोपाल तक ट्रेनों की स्पीड बढ़ाई जा सकेगी।

रतलाम-चंदेरिया और नागदा-भोपाल सेक्शन पर कवच संस्करण 4.0 का प्रावधान किया जाएगा। इसमें 120.72 करोड़ रुपये की लागत आएगी। रतलाम रेल मंडल के 427.83 किलोमीटर के पूर्ण ब्लाक सेक्शन में यह प्रणाली लगाई जाएगी। चार दिसंबर तक टेंडर भरे जा सकेंगे।

789 किमी में से 503 में ट्रायल पूरा...

मुंबई-दिल्ली रेल मार्ग पर ट्रेनों की स्पीड 160 किमी प्रति घंटा करने के लिए मिशन रफ्तार में ब्रिजों के मरम्मत, ओएचई का रख-रखाव, सिगनलिंग सिस्टम में सुधार, कर्व का री अलाइनमेंट, एचबीम स्लीपर लगाए गए हैं। वर्तमान में वडोदरा-अहमदाबाद खंड सहित मुंबई सेंट्रल-नागदा खंड पर 90 लोको के साथ 789 किलोमीटर पर कवच का काम चल रहा है। इसमें से 503 किलोमीटर तक लोको परीक्षण हो चुका है।

90 में से 73 लोकोमोटिव पहले ही कवच प्रणाली से लैस किये जा चुके है। वडोदरा-रतलाम-नागदा सेक्शन के 303 किलोमीटर में 173 पर लोको ट्रायल पूरा हो चुका है। मार्च 2025 तक काम पूरा होने की संभावना है।

यह है कवच सुरक्षा...

स्वचालित ट्रेन सुरक्षा तकनीक 'कवच' ट्रेन सुरक्षा और परिचालन दक्षता को बढ़ाती है। इसमें इंजन पर लगे सेंसर, जीपीएस सिस्टम से एक ही ट्रैक पर दो ट्रेनों के आमने-सामने आने पर स्वचालित ब्रेक लग जाते हैं। आरडीएसओ द्वारा विकसित कवच को ट्रेन टकरावों को रोकने, खतरे में सिगनल पासिंग से बचने में लोको पायलटों को सहायता मिलती है। इससे 200 किमी प्रति घंटे तक की गति को समायोजित किया जा सकता है। ट्रेनें तय गति सीमा के भीतर चले और इसकी रियल टाइम निगरानी भी होगी।

पशुओं से बचाव के लिए बना रहे बाउंड्रीवाल...

ट्रैक पर पशु आदि न आए, इसके लिए नागदा-गोधरा खंड में लगभग 56 करोड़ रूपए की लागत से रेलवे ट्रैक के दोनों ओर कुल 160 किलोमीटर बाउंड्रीवाल का निर्माण होना है। करीब 100 किमी की बाउंड्रीवाल बनाई जा चुकी है।

हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान प्रारम्भ

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक जिला पंचायत सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान निर्देश दिए गए कि, हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान 19 नवंबर से 10 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर 19 नवंबर को अभियान जिले में शुरू किया गया। उक्त अभियान स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत पंचायत एवं ग्रामीण विकास द्वारा किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता का प्रचार प्रसार करते हुए स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करना है।

सुरक्षित स्वच्छ शौचालयों तक पहुँच और उपयोग तथा स्वच्छता पर जागरुकता बढ़ाने के लिए 19 नवंबर को विश्व शौचालय दिवस मनाया गया। सभी पात्र लाभार्थियों को स्वीकृति आदेश वितरित कर शौचालयों के निर्माण में तेजी लाने हेतु ग्राम-स्तर पर शिविर आयोजित किए जायें। समस्त जल आपूर्ति योजनाओं द्वारा प्रदाय जल की गुणवत्ता परीक्षण सुनिश्चित करें। अक्रियाशील सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का चिन्हांकन कर उन्हें क्रियाशील बनाये जाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। PHCs, CHCs, स्कूलों, AWCS, ANM केंद्रों, आदि में शौचालय की कमी का आकलन कर CSR, विभागीय और SBM निधियों का लाभ उठाकर शौचालयों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। सफाई कर्मचारियों के असाधारण योगदान का जश्न मनाया जाये एवं उन्हें आवश्यक योजनाओं का लाभ पहुँचाने के लिए सम्मान शिविर का आयोजन करना है। ग्राम पंचायत एवं ब्लॉक स्तर के ऐसे कर्मचारियों / अधिकारियों/ स्वच्छता कर्मियों को सम्मानित किया जाये, जिन्होंने अपने संचालन क्षेत्रों में ओडीएफ स्थिति को बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। गांव की गंदगी भगाना है, घर घर शौचालय बनाना है। स्वच्छ भारत अभियान में शासन द्वारा प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में, घरों में व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालय निर्माण हेतु सहायता दी जाती है। घर में पक्का शौचालय बनाने हेतु स्वच्छ भारत अभियान से 12 हजार रुपए मिलेगा।

इन्हें मिलेंगी शौचालय निर्माण हेतु वित्तीय मदद–सभी बीपीएल परिवार को मदद मिलेगी। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के एपीएल परिवार को मदद मिलेगी। लघु व सीमान्त कृषक, भूमिहीन परिवार, शारीरिक रूप से नि:शक्त जनों के परिवार तथा महिला मुखिया वाले परिवार को मदद मिलेगी।

पंचायतों के उप निर्वाचन 2024 उत्तरार्द्ध हेतु निर्वाचन की अनुसूची जारी

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा बताया कि पंचायतों के उप निर्वाचन 2024 उत्तरार्द्ध हेतु निर्वाचन की अनुसूची जारी कर दी गई है। आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही संबंधित ग्राम पंचायतों में रिक्त पदों के आधार पर आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है जो कि निर्वाचन परिणाम की घोषणा की तिथि तक प्रभावशील रहेगी। नाम निर्देशन पत्र 25 नम्बर तक प्रात: 10.30 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक लिये जाएंगे। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 26 नम्बर को होगी एवं अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 28 नवम्बर 2024 अपरान्ह 3 बजे तक है।

मध्यप्रदेश बनेगा देश का लॉजिस्टिक्स हब-उप मुख्यमंत्री

इंदौर में मप्र का पहला मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क

नीमच, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। उप मुख्यमंत्री एवं योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने मध्यप्रदेश के समग्र विकास के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में हो रहे कार्यों को अभूतपूर्व बताया है। उन्होंने कहा कि राज्य नीति आयोग द्वारा भी विकास के लिये सतत नवाचार किये जा रहे है। नीति आयोग एक नवीन पहल कर प्रदेश को लॉजिस्टिक्स हब बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। उन्होंने नीति आयोग को इसके लिये की जा रही वर्कशॉप के लिये बधाई और शुभकामनाएँ दी। सोमवार को नीति आयोग ने आवश्यक रणनीति तैयार करने के लिये एक कार्यशाला की। कार्यशाला का विषय 'मध्यप्रदेश को लॉजिस्टिक्स हब: चुनौतियाँ और समाधान' था। कार्यशाला में बताया गया कि मध्यप्रदेश को लॉजिस्टिक्स हब बनाने के लिये एकीकृत रणनीति बनेगी। मल्टी-मॉडल परिवहन के लिए बुनियादी ढांचे को सुदृढ बनाया जाएगा। इंदौर में राज्य का पहला मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क, एमएलएलपी स्थापित किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग की कार्यशाला में राज्य लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों को समझने, नीति-निर्माण में सुधार के लिए विचार-विमर्श किया गया। इसमें लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम को सुदृढ़ बनाने पर भी चर्चा हुई। कार्यशाला में केंद्रीय और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, नीति विशेषज्ञ, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और विभिन्न हितधारकों ने भाग लिया। मध्यप्रदेश देश के मध्य में स्थित होने के कारण लॉजिस्टिक्स के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। हालांकि, राज्य को लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में कुशल इनलैंड कंटेनर डिपो, वेयरहाउसिंग सुविधाओं, मल्टी-मॉडल परिवहन और एमएसएमई की आवश्यकताओं को पूरा करने में कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है। इस नीति संवाद का उद्देश्य इन चुनौतियों का समाधान खोजना और आधुनिक, टिकाऊऔर किफायती लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम विकसित करना था। मुख्य कार्यपपालक अधिकारी राज्य नीति आयोग श्री ऋषि गर्ग ने कहा कि यह संवाद सरकारी विभागों, हितधारकों और निजी क्षेत्र के लिए विचारों और समस्याओं को साझा करने का एक प्रभावी मंच है। इसके माध्यम से बेहतर नीतियाँ और कार्य योजनाएँ तैयार की जा सकेंगी। श्री संजीव खन्ना मुख्य परिचालन अधिकारी, पतंजलि फूड ने कहा कि इस तरह के संवाद और आयोजन उद्योगों और निवेशकों में सकारात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न करते हैं। इससे राज्य में कुशल और किफायती लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम विकसित होगा। श्री संजीव पाटिल मुख्य परिचालन अधिकारी नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक्स ने मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएलएलपी) की अवधारणा पर जोर दिया और बताया कि इंदौर में राज्य का पहला एमएलएलपी स्थापित किया जा रहा है। अन्य पार्क भी पाइपलाइन में हैं।

श्री अभिषेक अग्रवाल वरिष्ठ विशेषज्ञ नीति आयोग ने मध्यप्रदेश को लॉजिस्टिक्स हब बनाने के लिए एकीकृत रणनीति और मल्टी-मॉडल परिवहन के लिए बुनियादी ढांचे और सेवाओं के विकास पर ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। श्री राकेश कुमार मीना निदेशक डीपीआईआईटी, भारत सरकार ने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए केंद्र सरकार का उद्देश्य एक तकनीकी रूप से सक्षम, सस्ता, और टिकाऊ लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम तैयार करना है। नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी 2022, पीएम गतिशक्ति और णडखझ जैसी डिजिटल पहल इस दिशा में क्रांतिकारी कदम हैं। श्री प्रमोद राजेंद्रन पार्टनरशिप मैनेजर स्मार्ट फ्रेट सेंटर, इंडिया चैप्टर ने ग्रीन लॉजिस्टिक्स और शून्य उत्सर्जन ट्रकों के उपयोग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। श्री अभ्युदय झा सीनियर मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग ने मध्यप्रदेश में लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया। इंडस्ट्री डेलीगेट्स श्री मुकेश पंजवानी, हर्ष एक्सप्रेस श्री संजीव कुमार मुदालियर, सी एशिया से उपस्थित रहे।

इन विषयो पर हुई चर्चा–कार्यशाला में औद्योगिक परिप्रेक्ष्य: एमएसएमई, परिवहन और वेयरहाउसिंग में सुधार के उपाय, डिजिटल एवं ग्रीन लॉजिस्टिक्स: डिजिटल प्लेटफॉर्म और शून्य उत्सर्जन आधारित समाधान, नीति निर्माण और क्रियान्वयन, सार्वजनिक-निजी भागीदारी को प्रोत्साहन और लॉजिस्टिक्स नीति के निर्माण पर चर्चा हुई। श्रीमती पूर्णिमा शर्मा प्रशासनिक अधिकारी मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सेवानिवृत्ति के बाद आगामी तिथि पर वेतन वृद्धि स्वीकृत संबंधी आदेश जारी

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। राज्य शासन ने शासकीय सेवकों न्यायालयीन निर्णयों के आधार पर30 जून अथवा 31 दिसम्बर को सेवानिवृत्ति के पश्चात आगामी तिथि पर वेतन वृद्धि स्वीकृत संबंधी आदेश जारी कर दिया है। इसमें सेवा निवृत्त हुए शासकीय सेवकों को 1 जुलाई अथवा 1 जनवरी की स्थिति में उनकी पात्रता के अनुसार काल्पनिक वेतन वृद्धि स्वीकृत की जाकर पेंशन के निर्धारण एवं पुनरीक्षण हेतु स्वीकृत आदेश जारी करने के संबंध में प्रशासकीय विभाग को अधिकृत किया गया है।

उज्जैन में बनेगी प्रदेश की पहली मेडिसिटी: मुख्यमंत्री

नीमच, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है, कि उज्जैन में प्रदेश की पहली मेडिसिटी बनने जा रही है। राज्य सरकार चिकित्सा सेवा और चिकित्सा शिक्षा के लिए गंभीर है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में चिकित्सा सेवा और आयुष के माध्यम से स्वास्थ्य और चिकित्सा को समग्रता में देखते हुए नई अवधारणा पर कार्य हो रहा है। इसके चलते उज्जैन में बनने वाली मेडिसिटी में न केवल मेडिकल कॉलेज रहेगा अपितु नर्सिंग, पैरामेडिकल, अनुसंधान सुविधा, चिकित्सक-विशेषज्ञ और स्टॉफ के आवास सहित संपूर्ण व्यवस्था होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे स्वयं इस कैंपस का भूमि-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समत्व भवन में मीडिया से चर्चा में यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा, कि पिछले 20 साल में मध्यप्रदेश सरकार ने चिकित्सा के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम उठाएं हैं। वर्ष 2004-05 में प्रदेश में मात्र 5 मेडिकल कॉलेज थे, वर्तमान में प्रदेश में 17 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं और 8 निर्माणाधीन हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ अवधि में लगभग 15 करोड़ की आबादी उज्जैन में होगी। सामान्य समय में भी लगभग 5 से 7 करोड़ यात्री प्रतिवर्ष उज्जैन पधार रहे हैं। अत: यहां मेडिसिटी का बनना उपयोगी और महत्वपूर्ण है। उज्जैन में आकार ले रही मेडिसिटी के लिए मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

भारतीय ज्ञान परंपरा के तहत आयोजित गतिविधियां संपन्न

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। दिनांक 19 नवंबर 2024 को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के अंतर्गत द्वितीय दिवस अकादमिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की स्थानीय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नरेश जी चंदवानी जी ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा अत्यंत समृद्ध और गौरवशाली है।हम सभी को इस परंपरा पर गर्व होना चाहिए।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर डी.सी. गुप्ता ने विद्यार्थियों को अगले स्तर पर जाने के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठकी स्थापना की गई है और इसके अंतर्गत विभिन्न साहित्यिक, सांस्कृतिक,अकादमिक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। शासन की यह पहल निश्चित ही विद्यार्थियों को हमारी समृद्ध परंपरा से परिचित कराने में सहायक सिद्ध होगी।भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ प्रीति श्रीवास्तव ने बताया कि आज सर्वप्रथम लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें एकल नृत्य में प्रथम स्थान भाग्यश्री यादव ने तथा समूह नृत्य में प्रथम स्थान निशा जैन, रितिका जैन, भाग्यश्री यादव ,ज्योति योगी ,गीतांश जैन के समूह ने प्राप्त किया।इसके उपरांत लोकगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें एकल गायन में राधिका कुमावत ने प्रथम स्थान तथा समूह गायन में प्रथम स्थान राधिका कुमावत, निशा जैन ,रितिका शर्मा ,भाग्य श्री यादव,राधिका बैरागी और देवांश मालवीय ने प्राप्त किया। अंत में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम स्थान लक्ष्मी मेहरू ने ,द्वितीय स्थान अर्पित परमार ने तथा तृतीय स्थान रवीना भाभी ने प्राप्त किया। ये समस्त चयनित प्रतिभागी जिला स्तर पर सहभागिता करेंगे। इस अवसर पर भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के सभी सदस्य डॉ.सीमा जैन ,डॉ. गौरव कुमार पांडे ,प्रो. सोहन लाल यादव, डॉ.द्युति मिश्रा, डॉ नेहा दीक्षित, प्रो.रितु शर्मा एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

पीजी कॉलेज में विश्व मधुमेह दिवस पर व्याख्यान सम्पन्न

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि 19 नवंबर 2024 को महाविद्यालय में इको क्लब एवं वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा विश्व मधुमेह दिवस पर आधारित एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

वनस्पति विभाग की विभागाध्यक्ष एवं महाविद्यालयीन इको-क्लब प्रभारी डॉ. प्रेरणा मित्रा ने कार्यक्रम के प्रारंभ में बताया कि डायबिटीज रोग से बचाव हेतु जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 14 नवंबर को विश्व मधुमेह दिवस मनाया जाता है। महाविद्यालय का इको-क्लब स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण से जुडे मुद्दों पर जागरूकता हेतु विभिन्न नवाचार एवं गतिविधियां आयोजित करवाता रहता है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. सुधाकर राव ने विद्यार्थियों को अपने व्याख्यान में ऐसे पौधों की विस्तृत जानकारी प्रदान की जिनके उपयोग से हम स्वस्थ जीवन शैली अपना सकते हैं एवं जो मधुमेह रोग से हमें बचाने में लाभकारी हैं। महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष माननीय श्री नरेश जी चंदवानी ने इस प्रकार के कार्यक्रम करने हेतु महाविद्यालय स्टाफ को शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। कार्यक्रम में विभाग के डॉ. संतोष कुमार शर्मा, प्रो. सुनील कुमार शर्मा, डॉ. उजमा चौधरी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

✻ उठावना ✻

स्वर्गीय श्री भूरा लाल जी शर्मा (मंशापूर्ण महादेव) की धर्मपत्नी एवं

दुर्गा शंकर, स्वर्गीय माया शंकर एवं रमेश चंद की पूज्य माताजी राजू की बड़ी मम्मी रवि, अमित, अर्पित, ऋषि, अभय, वैभव, आदित्य, आर्य की दादी जी समर्थ, मुकुंद, शिवांश की परदादी जी श्रीमती बसंतीबाई शर्मा (उपाध्याय) का स्वर्गवास दिनांक 18-11-2024 सोमवार हो गया है जिनका उठावना दिनांक 20-11-2024 बुधवार को ब्रह्मपुरी धर्मशाला मनासा में प्रात: 11:00 बजे रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
शर्मा (उपाध्याय) परिवार

घरेलू गेस के अवैध दुरूपयोग को रोकने के लिए की बड़ी कार्यवाही...

71 गेस सिलेंडर राजसात, भागीरथ के विरुद्ध एफआईआर दर्ज

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा

बताया गया कि, घरेलू गेस के अवैध दुरूपयोग को रोकने के उद्देश्य से खाद्य विभाग की टीम द्वारा आज सुवासरा पेट्रोल पंप चौराहा स्थित भागीरथ पिता मोड़ीराम पाटीदार निवासी सुवासरा के बाड़े पर छापामार कार्यवाही करते हुए 71 नग घरेलु गेस सिलेंडर एंव 03 गैस रिफिलिंग मोटर जब्त की गई। उक्त सिलेंडर एंव मोटर वाहनों में गेस भरी जाने के उद्देश्य से अवेधरूप से संग्रहित किये गये थे। कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सीतामऊ श्री रघुराज सिंह डोडिया द्वारा प्रकरण माननीय न्यायालय अपर कलेक्टर जिला मंदसौर में प्रस्तुत किया गया था। अपर कलेक्टर द्वारा विचारण उपरान्त आरोपी भागीरथ पिता मोड़ीराम पाटीदार निवासी सुवासरा को दोषसिद्ध पाया गया। अपर कलेक्टर द्वारा आदेश पारित करते हुए, प्रकरण में जब्त 71 नग घरेलु गेस सिलेंडर एंव 03 गैस रिफिलिंग मोटर को शासन पक्ष में राजसात किया गया एंव आरोपी भागीरथ पिता मोह्रीराम पाटीदार निवासी सुवासरा के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत अभियोजन की कार्यवाही किए जाने हेतु आदेशित किया गया। आदेश के पालन में आज कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी उपखंड सीतामऊ की सुचना पर पुलिस थाना सुवासरा में आरोपी भागीरथ पिता मोड़ीराम पाटीदार निवासी सुवासरा के विरुद्ध एफ आई आर दर्ज की गई।

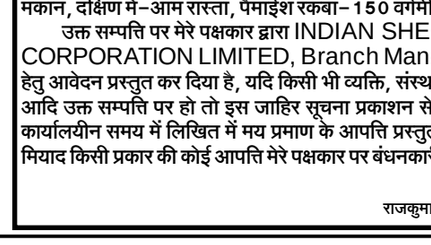

तहसीलदार के नाम से...

पेज 1 से जारी

के विरुद्ध धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन 2018) के अधीन प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। इस कार्रवाई में लोकायुक्त पुलिस के हितेश लालावत, इसरार, श्याम शर्मा, अनिल अटोलिया सहित 10 सदस्यों की टीम शामिल थी।

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक 72/2024 दिनांक 19.11.2024

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा विष्णुलाल पिता अंबारामजी, जाति सुथार, निवासी ग्राम रातीखेड़ी, तहसील व जिला मंदसौर से आवासीय भूखंड जोभूमि सर्वे सर्वेक्षण संख्यांक 242(बी) पर दर्ज होकर जिसका भूखंड संख्यांक 160(पी) होकर पटवारी हल्का नं. 00130 ग्राम रातीखेड़ी, तहसील व जिला मंदसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्व: त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई पंजीकरण क्रमांक एमपी 249392024ए11330695 दिनांक 18.11.2024 से मेरे पक्षकार सुंदरबाई पति अंबारामजी जाति सुथार, निवासी- ग्राम रातीखेडी, तहसील व जिला मंदसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय मंदसौर में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है-

पूर्व में-आम रास्ता, पश्चिम में-भगवतीलाल का मकान, उत्तर में-जीवनलाल का मकान, दक्षिण में-आम रास्ता, पैमाईश रकबा- 150 वर्गमीटर

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।

भवदीय
राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

आवश्यकता है

दैनिक गुरु एक्सप्रेस की प्रिटिंग यूनिट पर रात्रि के समय 11 से 3 बजे तक काम करने वाले युवक (हेल्पर) की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार (मंदसौर निवासी ही सम्पर्क करें)

संपर्क
संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक
कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस
9425105928. 8319964648

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।
फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in